RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शुक्रवार, 15 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 58, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारतीय ध्वज लगे जहाज को ईरान ने डुबोया, एक जहाज को किया जब्त

अमेरिका-ईरान के बीच मौजूदा तनाव के बीच भारत के दो और एलपीजी वाहक जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया

नई दिल्ली/एजेंसी

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच दो और भारतीय गंतव्य वाले एलपीजी जहाजों ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। एलपीजी जहाज सिमी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान अपने ट्रांसपोंडर को कुछ समय तक बंद रखने के बाद गुरुवार को ओमान की खाड़ी में देखा गया। अन्य एलपीजी जहाज एनवी सनशाइन ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान कुछ ऐसा ही किया।

पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका के बीच तनाव बरकरार

यह घटना ऐसे समय पर सामने आई है, जब पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका में तनाव बना हुआ है और होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की रुवैस रिफाइनरी से एलपीजी से लदा एनवी सनशाइन जहाज को आखिरी बार भारत के मंगलौर की ओर जाते हुए देखा गया था। इसी बीच, सिमी कतर के रस लाफान बंदरगाह से गुजरात के कांडला तक ईंधन ले रहा है।

युद्धविराम पर ट्रंप की टिप्पणी

इस महीने की शुरूआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ युद्धविराम 'लाइफ सपोर्ट' पर हैं, जिससे संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है और कई मुद्दों जैसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य के कंट्रोल जैसे मुद्दों को लेकर विवाद बना हुआ है। इससे अलावा ट्रंप ने हाल ही में ईरान की ओर से भेजे गए शांति प्रस्ताव को अस्वीकार्य बता दिया था।

भारत ने ओमान में भारतीय जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली। ओमान के तट बुधवार को भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुए हमले की भारत ने कड़े शब्दों में निंदा की है।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर रहा कि ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा, हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं कि कमर्शियल जहाजों और आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहाज पर सवार सभी भारतीय क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। भारत ने बचाव अभियान के लिए ओमान के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने, निर्दोष आम क्रू सदस्यों की जान जोखिम में डालने या किसी भी तरह से जहाजों के आने-जाने और व्यापार की आजादी में रुकावट डालने से बचा जाना चाहिए।

ईरानी विदेश मंत्री ने ब्रिक्स देशों से अमेरिका-इजराइल की निंदा का किया आह्वान

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सदस्य देशों से अमेरिका और इजराइल के कथित अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघनों की स्पष्ट निंदा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ की गई अवैध आक्रामक कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ है और ब्रिक्स देशों को युद्धोन्माद रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की भारत मंडपम में आयोजित बैठक में अराघची ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के राजनीतिक इस्तेमाल को रोकने की भी मांग की। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि अमेरिका की दबाव और धमकी की राजनीति का सामना केवल ईरान ही नहीं बल्कि कई विकासशील देश कर रहे हैं।

ईरान ने अमेरिकी शांति पहल पर प्रतिक्रिया दी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने ईरान द्वारा अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रस्तुत प्रतिक्रिया की समीक्षा की है और प्रस्ताव पर असंतोष व्यक्त किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने ताजा अमेरिकी शांति पहल पर अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तान के माध्यम से दी है, जो तेहरान और वॉशिंगटन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है।

भारतीय ध्वज वाला जहाज हाजी अली, जो एक पारंपरिक डाउ या मोटर चालित नौका थी, सोमालिया से यूएई के शारजाह जा रहा था। इसी दौरान बुधवार तड़के ओमान के जलक्षेत्र में उस पर हमला हुआ, जिससे जहाज में आग लग गई और बाद में वह डूब गया। इस घटना की पुष्टि बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगला ने की। ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुए हमले के संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'कल ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुआ हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं।

भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुआ हमला अस्वीकार्य है: विदेश मंत्रालय

ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुए हमले के संबंध में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'कल ओमान के तट पर भारतीय ध्वज वाले जहाज पर हुआ हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं कि वाणिज्यिक जहाजों और आम नागरिकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

जहाज पर सवार सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और हम उन्हें बचाने के लिए ओमान के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हैं।

भारत दोहराता है कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना और निर्दोष नागरिक चालक दल के सदस्यों को खतरे में डालना, या किसी भी तरह से नौवहन और वाणिज्य की स्वतंत्रता में बाधा डालना, पूरी तरह से टाला जाना चाहिए।'

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

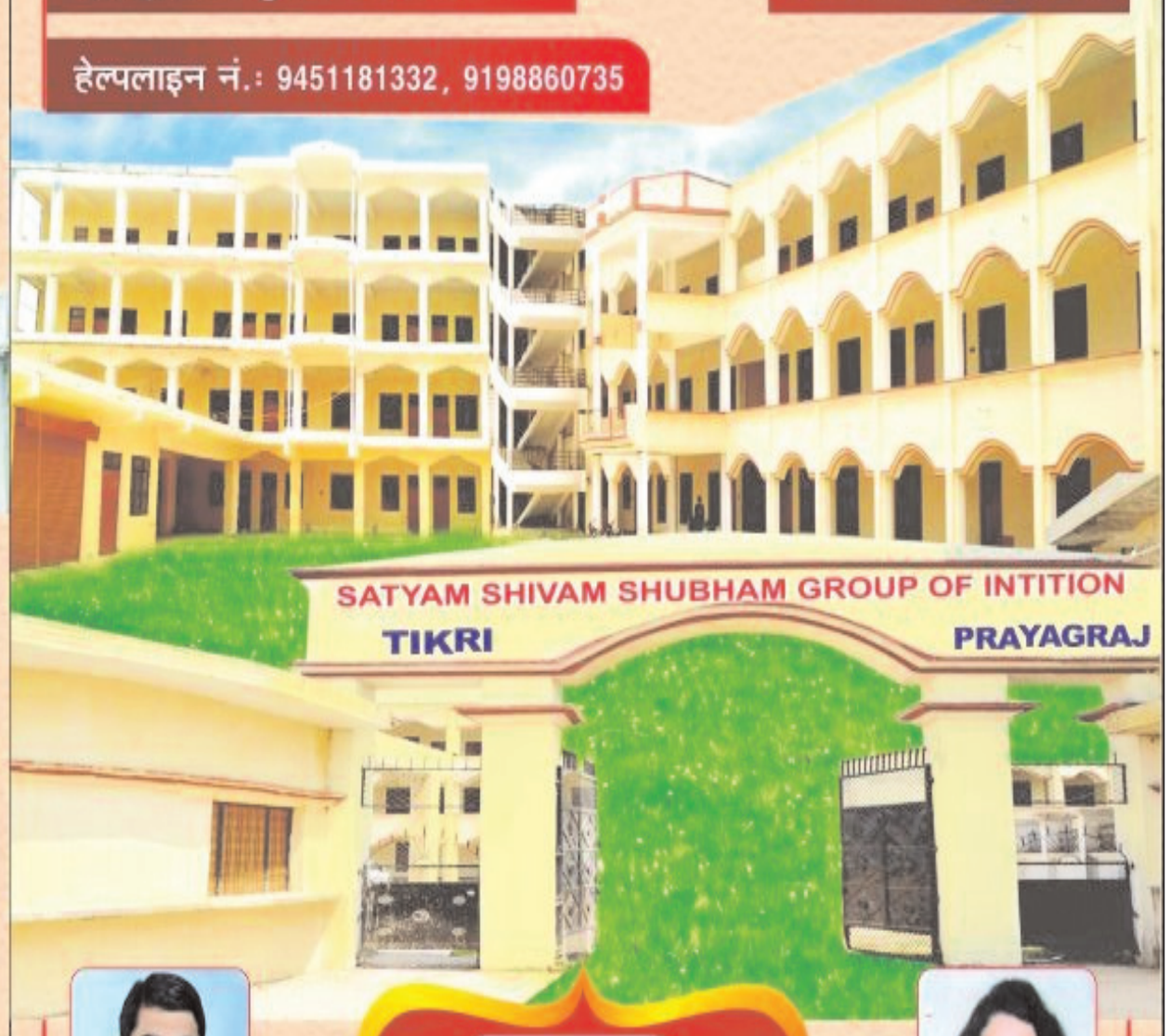

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

डीएम ने ग्राम चौपाल लगाकर, सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को ग्राम में कैम्प लगाकर छूटे हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित करने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज "गॉव की समस्या, गॉव में समाधान" के अन्तर्गत विकास खण्ड सरसवा की ग्राम- डेढ़ावल में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लोनिवि को पश्चिम शरीरा से भगवतपुर मोढ़ तक सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने, राशन मिलने, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि ग्राम में कैम्प लगाकर छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित किया जाय। उनके द्वारा नजदीकी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने पर ग्रामवासियों ने बताया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने ग्रामवासियों से पूछा कि विद्यालय में अध्यापक समय से आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य करते हैं या नहीं, जिस पर बताया गया कि अध्यापक समय से विद्यालय आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य भी कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान किया एवं बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया।

उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को ग्राम के हैंडपंपों की क्रियाशीलता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को पशुओं का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार को ग्राम में आबादी के पास आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण के लिए भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 130 परिवारों को चिन्हित किया गया है, सभी पात्र लोगों को शीघ्र आवास योजना से लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 37 परिवारों को चिन्हित किया गया है, जिसमें से 13 परिवारों को लाभान्वित कर दिया गया है, शेष परिवारों को शीघ्र ही लाभान्वित कर दिया जाएगा।

ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी देकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

सहायक अभियंता,जल निगम ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जुलाई माह से संपूर्ण ग्राम में पेयजल आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

25 हजार का इनामिया हत्या आरोपी समेत दो गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में गुरुवार को थाना मलवां पुलिस द्वारा एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्तगण मानसिंह पुत्र राज बिहारी उम्र करीब 25 वर्ष (25,000 रु0 का इनामिया) .तारावती पत्नी मानसिंग उम्र करीब 26 वर्ष निवासीगण ग्राम बुधइयापुर मजरे कोराई थाना मलवा जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
प्रभारी निरीक्षक राजीव मिश्रा थाना मलवां. व0उ0नि0 विनोद सिंह . उ0नि0 बृजेश कुमार. उ0नि0 हरिश्चंद्र शुक्ला।

बधाई पूजने गए परिजनों के साथ गंगा में समाए 5 बच्चे तीन को बचाया दो लापता

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के महमदपुर में गुरुवार को समय 11:00 बजे ग्राम महमदपुर के रजनीश निषाद पुत्र संतोष निषाद व आसपास के लोग महमदपुर ग्राम के गंगा के किनारे बधाई के उपलक्ष्य में पूजा अर्चना के लिए गए थे इसी दौरान पांच बच्चे अर्जुन निषाद 13 वर्ष पुत्र नन्दलाल निषाद वा आर्यन उम्र 11 वर्ष पुत्र सोहनलाल वा साजन सरोज उम्र 14 वर्ष पुत्र बिहारी लाल वा आँचल निषाद उम्र 13 वर्ष पुत्र नन्दलाल निषाद वा नलकुल सरोज पुत्र गणेश निवासीगण महमदपुर थाना कोखराज गंगा नदी में घुस कर स्नान करने लगे तभी गंगा नदी के गहरे पानी में जाने से पांचों बच्चे डूबने लगे बच्चों के नदी में डूबने की जानकारी मिलते ही गंगा किनारे पर रहे तमाम लोगों के बीच अफरा तफरी मच गयी जिसकी सूचना कोखराज पुलिस को दी गयी जिस पर थाना कोखराज पुलिस मौके पर पहुँची और बचाव के लिए कुछ नाविकों की मदद से गंगा नदी में डूब रहे बच्चों को बचाया गया उक्त सूचना पर तत्काल पुलिस बल पहुंचकर ग्रामीणों की सहायता से तीन बच्चों को सकुशल बचा लिया गया है दो बच्चे अर्जुन निषाद पुत्र नन्दलाल निषाद वा आर्यन पुत्र सोहनलाल दो बच्चों की तलाश जारी है मौके पर पुलिस बल मौजूद है। एसडीआरएफ टीम को सूचना देकर बुलवाया गया हैं जो लगातार बच्चों की तलाश कर रही है मौके पर नाव वालों से समन्वय स्थापित कर स्थानीय गोताखोरों की मदद से जाल लगाकर बच्चों की तलाश जारी है खबर लिखे जाने तक दो बच्चों को खोजा नही जा सका हैं जिससे परिजनों का रो रो कर हाल बेहाल है।

पति-पत्नी के विवाद को पुलिस ने कराया समझौता

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 द्वितीय चरण के अंतर्गत (टूटते परिवार को जोड़ने की एक पहल) का आयोजन में परिवार परामर्श केंद्र में कॉउंसलिंग के उपरांत गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर मो0 जावेद , श्रीमती मंजू शुक्ला जी द्वारा एक प्रकरण में समझौता कराया गया। दंपति वैचारिक मतभेद/आपसी मनमुटाव को भुलाकर साथ रहने को हुए राजी व सहयोगार्थ म0आ0 यशस्वी शर्मा मौजूद रहीं।

सीएम योगी का आपदा में मौत पर चार लाख की तत्काल आर्थिक सहायता देने का निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आंधी, अतिवृष्टि और आकाशीय बिजली से हुई जनहानि और फसल नुकसान के बीच योगी सरकार ने प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री योगी ने सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों को प्रभावित परिवारों से मुलाकात करने और हालात का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं।

गुरुवार को मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि आपदा की इस घड़ी में सरकार पूरी मजबूती के साथ जनता के साथ खड़ी है और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपदा में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने की स्थिति में परिजनों को तत्काल चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही किसानों, पशुपालकों और अन्य प्रभावित परिवारों को भी तेजी से राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन को सख्त निर्देश दिए गए हैं। फसल का नुकसान उठाने वाले किसानों के लिए मुआवजे और पशुधन क्षति पर भी आर्थिक सहायता तय की गई है। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों व अपर जिलाधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खराब मौसम के कारण प्राकृतिक आपदा से हुई विभिन्न क्षतियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि अधिकारी स्वयं प्रभावित परिवारों से मिलकर आवश्यक मदद उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि राहत आयुक्त कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम से निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी के उपरान्त राहत आयुक्त कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम द्वारा सचेत पोर्टल के माध्यम से आम जनमानस को 34 करोड़ 64 लाख रेड एवं ऑरेंज चेतावनी संदेश भेजे गये हैं। कंट्रोल रूम को हाई एलर्ट पर रखते हुए प्रभावित परिवारों को दी जा रही सहायता राशि की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गये हैं। राहत आपदा हेल्प लाइन नम्बर 1070 पर कॉल आते ही तत्काल सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार राहत आयुक्त ने जिलाधिकारियों को जन प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रभावित परिवारों को सहायता राशि का शत प्रतिशत वितरण कराने हेतु निर्देशित किया।

फसल नुकसान पर मुआवजा तय
योगी सरकार प्राकृतिक आपदा में मृत्यु होने पर चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। इसके अलावा 33 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। यह वर्षा सिंचित क्षेत्र में 8500 रुपये प्रति हेक्टेयर, सुनिश्चित सिंचित क्षेत्र में 17 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा 12 माही फसलों और कृषि वानिकी के लिए 22,500 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित किया गया है।

अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए लंबित विवेचनाओं के शीघ्र करें निस्तारण - एसपी

एसपी द्वारा समस्त शाखाओं के कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा की गई

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में समस्त शाखा प्रभारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न शाखाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

समीक्षा के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देते हुए लंबित विवेचनाओं के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया।

साथ ही महिला संबंधी अपराधों में संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने, मिशन शक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक शाखा अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण पारदर्शिता, सजगता एवं उत्तरदायित्व के साथ करे।

किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

बैठक के दौरान कार्यालयी कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं जनोन्मुखी बनाने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। अंत में पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने के लिए निर्देशित किया किया।

एक महत्वपूर्ण बैठक की आयोजित

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों द्वारा अपनी समस्याओं एवं सुझावों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी बिंदुओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महोदय ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखते हुए व्यापारिक गतिविधियों की सुरक्षा एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, पुलिस एवं व्यापार मंडल के बीच बेहतर समन्वय एवं संवाद को और मजबूत बनाने पर बल दिया गया।

मीटिंग के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश राय व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा ने किया विरोध प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । मंझनपुर के ब्लॉक परिसर मंझनपुर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष की महिला विरोधी मानसिकता एवं सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री पर घृणित और अभद्र टिप्पणी के खिलाफ किया गया विरोध प्रदर्शन।

जिला महामंत्री ज्योति केसरवानी ने बताया कि समाजवादी पार्टी के सांसद द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा,अपशब्द और धमकियां न तो आश्चर्यजनक हैं और न ही चौंकाने वाली।इस तरह की राजनीति,संस्कृति और चरित्र समाजवादी पार्टी का हिस्सा है। देश की जनता उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी।सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई घृणित और अभद्र टिप्पणी उनकी पार्टी की विकृत मानसिकता को दशार्ती है। ओछी राजनीति करने वालों के बयान स्वाभाविक रूप से घृणित होंगे।सपा की अभद्र भाषा ही उनकी पहचान और संस्कृति है।इसी क्रम में जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा नीतू कनौजिया ने कहा कि हमें यह समझना होगा कि राजनीति सेवा का माध्यम है,व्यक्तिगत कटुता का नहीं। स्वास्थ्य लोकतंत्र वही है जहां तर्क और नीति पर बहस हो,न कि अपमान और अभद्रता पर। देश की जनता अपने नेताओं से शालीनता,संयम और जिम्मेदारी की अपेक्षा रखती है।मैं सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करती हूं कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं का सम्मान करें।असहमति रखें,आलोचना करें,लेकिन भाषा ऐसी हो जो लोकतंत्र की गरिमा को ऊंचा उठाए।

साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर,जिला उपाध्यक्ष विनीता गुप्ता,नगर पालिका अध्यक्ष भरवारी कविता पासी,जिला मंत्री अर्चना चौरसिया ने भी संबोधित किया इस मौके पर जिला मंत्री फूलमती सरोज,मण्डल अध्यक्ष सुषमा साहू सहित सैकड़ो की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

विवाहिता की हत्या करने वाले पति ससुर सास गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के खालिसपुर जरौंहा गांव में 28 सितम्बर 2025 को विवाहिता की हत्या उसके पति सास ससुर ने मिलकर कर दी थी विवाहिता के पिता विन्देश्वरी पुत्र स्व0 रामदुलारे निवासी संजेती करारी थाना ने बताया कि बेटी की शादी लगभग 04 माह पूर्व ग्राम जरौंहा खालिसपुर थाना कोखराज में सुरजेश पुत्र कल्लू के साथ हुयी थी, शादी के बाद से ही ससुरालजनों द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था एवं दिनांक 28.09.2025 को उसकी हत्या कर दी गई थाना कोखराज पर डीपी एक्ट पंजीकृत हुआ उपरोक्त क्रम में गुरुवार को कोखराज थाना पुलिस ने मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 03 अभियुक्तों पति सुरजेश पुत्र कल्लू वा ससुर कल्लू पुत्र श्रीपति वा सास केतकी पत्नी कल्लू को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

महिला अपराधों में पैरवी कर शीघ्र कराएं सजा- एसपी

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में अभियोजन कार्यों की समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के निस्तारण, अभियोजन की प्रगति एवं जन सुरक्षा से संबंधित बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि महिला अपराध, गैंगस्टर एवं पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कर दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जाए। अभियोजन अधिकारियों एवं विवेचकों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए न्यायालय में साक्ष्य एवं गवाहों की समयबद्ध प्रस्तुति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गोष्ठी में अपर जिलाधिकारी फतेहपुर , अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर , उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, अभियोजन अधिकारी, शासकीय अधिवक्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

बाइक सवार युवकों को ट्रैक्टर ने कुचला चार की मौत, एक घायल

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के महाराजगंज के पास अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार पांच युवकों को कुचल दिया है दुर्घटना में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही थाना पुलिस समेत पुलिस अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे हैं और बचाव एवं राहत कार्य में लग गए हैं मृतक चारों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही घर परिवार रिश्तेदार समेत गांव के सैकड़ो लोग रोते बिलखते घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

जानकारी के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के धनपरा गांव निवासी राहुल कुमार उम्र 14 वर्ष पुत्र महेश प्रसाद अपने साथी और रिश्तेदार आकाश सरोज उम्र 25 वर्ष पुत्र पृथ्वी सरोज व अमन उम्र 22 वर्ष पुत्र केशन वा छोटू निवासी थांभा वा विकास कैथवास निवासी मध्यप्रदेश के साथ एक बाइक में सवार होकर गुरुवार की रात्रि 8:00 बजे कहीं जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार करारी थाना क्षेत्र के महाराजगंज के पास पहुंचे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार युवकों को कुचल दिया है जिससे बाइक सवार युवक ट्रैक्टर ट्राली के पहिए के नीचे आ गए दुर्घटना इतनी तेज थी की मौके पर चार युवकों राहुल आकाश अमन और छोटू की दर्दनाक मौत हो गई है दुर्घटना में विकास गंभीर घायल है दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई पुलिस ने घायल विकास को इलाज के लिए एंबुलेंस से अस्पताल भेजा है और मृतक चारों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव के लोग घटना स्थल पर पहुंच गए हैं घटनास्थल पर कोहराम मचा हुआ है दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर की ट्राली पलट गई है और उसके बाद ट्रैक्टर के इंजन को लेकर चालक फरार हो गया है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील से मिली प्रेरणा—फिरोजाबाद में शुक्रवार को रहेगा 'नो व्हीकल डे'

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद फिरोजाबाद के जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने ईंधन, ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक नई पहल की है। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि जिले में प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' (वाहन मुक्त दिवस) मनाया जाएगा।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने यह पहल प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के निदेर्शों के क्रम में की है। गुरुवार को उन्होंने वर्चुअल माध्यम से जिले के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संवाद किया, जिसमें ईंधन बचत, ऊर्जा संरक्षण और स्वस्थ वातावरण स्थापित करने के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। 'नो व्हीकल डे' के दिन अधिकारियों और कर्मचारियों को निजी वाहनों का उपयोग न करने तथा सामूहिक परिवहन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्यालय पर होने वाली बैठकों में स्थानीय अधिकारी भौतिक रूप से उपस्थित होंगे, जबकि दूरस्थ तहसीलों और विकास खंडों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। संपूर्ण समाधान दिवस और क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान कार पूलिंग को प्राथमिकता देने के भी निर्देश दिए गए हैं। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों से अपने वाहनों की समय-समय पर सर्विस कराने का आग्रह किया गया है, ताकि ईंधन की अनावश्यक खपत रोकी जा सके। निजी क्षेत्र के कार्यालयों को भी आवश्यकतानुसार 'वर्क फ्रॉम होम' (घर से काम) व्यवस्था अपनाने के लिए प्रेरित किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि सभी लोग सामूहिक रूप से ईंधन संरक्षण की दिशा में प्रयास करते हैं, तो ऊर्जा बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और एक स्वस्थ समाज की स्थापना में बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

डीएम ने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को एनआईसी सभागार में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गयी तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने क्रिटिकल गैप योजना, विधायक निधि योजना, सांसद निधि योजना, पूर्वांचल विकास निधि योजना एवं त्वरित आर्थिक विकास योजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रत्येक योजना के प्रगति की जानकारी ली।

बैठक में अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण के द्वारा बताया गया कि क्रिटिकल गैप योजना 2024-25 में कुल 8 कार्यों में 6 कार्य भौतिक रूप से पूर्ण है तथा 1 कार्य प्रगति पर है एवं 01 कार्य विवादित होने के कारण अनारम्भ है तथा 2025-26 में कुल 25 कार्यों में 18 कार्य भौतिक रूप से पूर्ण है तथा 6 कार्य प्रगति पर है, जोकि 15 दिवस में पूर्ण हो जायेंगे एवं 01 कार्य स्थल विवाद के कारण अनारम्भ है, जिसपर जिलाधिकारी ने अवशेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण कराये जाने तथा अनारम्भ कार्यों के विवादों का समाधान कराते हुए उन्हें शीघ्र प्रारम्भ कराये जाने के निर्देश दिए है। अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण ने बताया कि विधायक निधि योजना के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में कुल स्वीकृत

222 कार्यों में 122 कार्य भौतिक रूप से पूर्ण है तथा 94 कार्य प्रगति पर है एवं 06 कार्य अनारम्भ है, जिसमें 01 कार्य में स्थल परिवर्तन तथा 05 कार्यों का धन वापस होना है। इसी प्रकार से सांसद निधि योजना के अन्तर्गत कुल 48 कार्यों में 22 कार्य भौतिक रूप से पूर्ण है तथा 26 कार्य प्रगति पर है, जिसपर जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने तथा जिन कार्यों में धन वापस होना है, उन्हें वापस करने के कार्यवाही करने के लिए कहा है।

जिलाधिकारी ने पूर्वांचल विकास निधि योजना, राज्यांश 2024-25, 2025-26 एवं पूर्वांचल विकास निधि योजना जिलांश 2025-26 तथा त्वरित आर्थिक विकास योजना 2025-26 एवं 2026-27 की समीक्षा करते हुए निमार्णाधीन कार्यों को जल्द से जल्द गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने तथा जिन कार्यों की निविदा आमंत्रित है, उसकी निविदा खोले जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्यो को निर्धारित समयसीमा एवं गुणवत्ता मानको के अनुरूप पूर्ण कराया जाये।

उन्होंने कहा कि कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाये रखने हेतु कार्यो का नियमित रूप से निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जो परियोजनाएं किन्हीं विवादों के कारण अनारम्भ है, ऐसी परियोजनाओं में सम्बंधित उपजिलाधिकारी के साथ संयुक्त विजिट कर विवादों का समाधान करायें तथा कार्यों को जल्द से जल्द प्रारम्भ करायें। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतोष कुमार, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण एस0पी0 मिश्रा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीण उपस्थित रहे।

अनियंत्रित बाइक सवार बस से टकराए, दो की मौत

फूलपुर मुबारकपुर मार्ग पर सराय ख्वाजाकला गांव के सामने हुआ हादसा

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर थाना क्षेत्र के शेफखानपुर गांव के सराय ख्वाजाकला मोहल्ला में फूलपुर मुबारकपुर मार्ग पर ब्रस्पतिवार शाम काल लगभग 5 बजे तीन बाइक सवार आधा दर्जन युवक तेज रफ्तार बाइक से अपने घर झूंसी की तरफ जा रहे थे जैसे ही उक्त युवक फूलपुर मुबारकपुर मार्ग पर सराय ख्वाजाकला गांव के सामने पहुंचे थे। की फूलपुर की तरफ से आ रही सवारियो से भरी प्राइवेट बस से दो बाईकों पर सवार चार युवक अनियंत्रित होकर बस से टकरा गए। जिससे मौके पर ही एक युवक की मौत हो गई। तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्ष दर्शियो के अनुसार घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे की रास्ते में उसने भी दम तोड दिया। अन्य युवक मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना फूलपुर पुलिस थाने में दी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोसमार्डम के लिए भेज दिया। बस को थाने उठा ले गई। घटना की सूचना मिलते ही आस पास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानी पुलिस मामले की जांच प्रताल में जुटी है।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य के निर्देश पर थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष पुरामुफ्ती मनोज कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त जावेद अहमद उर्फ ममरेज पुत्र स्व0 महमूद खान निवासी ग्राम मन्दरदेह माफी थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज को बस स्टैण्ड थाना क्षेत्र पूरामुफ्ती से गिरफ्तार किया ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

मनोज कुमार सिंह थाना प्रभारी पूरामुफ्ती. उ0नि0 हंसराज. कां0 गौरव यादव थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज।

प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी से नाराज भाजपाइयों ने जिलाधिकारी आवास पर दिया धरना

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सपा सांसद राजकुमार भाटी द्वारा प्रधानमंत्री पर की गई अभद्र टिप्पणी से नाराज भाजपा कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान के नेतृत्व में जुलूस निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय आवास के गेट पर धरना दिया इस दौरान अखिलेश यादव मुदार्बाद समाजवादी पार्टी मुदार्बाद प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान आदि नारे लगाए भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने कहा कि सपा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री के ऊपर की गई अभद्र टिप्पणी से उनकी मानसिकता का पता चलता है किसी भी हाल में देश के प्रधानमंत्री का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सपा सांसद अगर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते तो हम लोग चुप नहीं रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से कविता यादव त्रिपाठी, अर्चना शुक्ला, ऋचा सिंह, सिखा रस्तोगी,जिला महामंत्री मनोज निषाद,जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, पवन जयसवाल,बृजेश त्रिपाठी तुलसीराम सरोज राजू पाल, श्याम सुंदर दुबे,प्रभाकर दुबे, प्रशांत सिंह, शिवबाबू मोदनवाल महेश माली,विजय लक्ष्मी चंदेल, शोभिता श्रीवास्तव, सौम्या मिश्रा, संगीता पटेल सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं ।

भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया

सोरांव। सोरांव थाना क्षेत्र के जगदीशपुर उर्फ जंगलपुर निवासी राम जी गुप्ता के पुत्र सत्यम गुप्ता की बुधवार को आए भयंकर आधी तूफान में दीवाल गिरने से दबकर मौत हो गई सूचना पर गुरुवार का भारतीय जनता पार्टी की गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने जगदीशपुर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया तथा हर संभव मदद का भरोसा दिया उन्होंने कहा कि घटना बहुत ही दुखद और कष्टकारी है ईश्वर पीड़ित परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें उन्होंने कहा कि जो भी संभव होगा प्रशासन से बात कर आर्थिक सहायता भी दिलाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी भाजपा गंगापार उमेश तिवारी, श्याम सुंदर दुबे, मंडल अध्यक्ष संजीव द्विवेदी, कुलदीप सोनी राजकुमार गुप्ता, अखिलेश सरोज, बलवंत यादव, राजू यादव, अपूर्व त्रिपाठी, पवन पांडेय आदि मौजूद रहे।

ट्रेन यात्रियों की सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी द्वारा पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ रामकृष्ण भारद्वाज व अपर पुलिस अधीक्षक, स्टाफ ऑफिसर अनिल कुमार की उपस्थिति में राजकीय रेलवे पुलिस के सभी अनुभागों की आनलाइन समीक्षा बैठक की गई। इसमें पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एन.कोलांची व समस्त पुलिस अधीक्षक रेलवे व क्षेत्राधिकारी रेलवे मौजूद रहे।

डीजी रेलवे द्वारा समीक्षा बैठक में ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण पर विस्तृत चर्चा करते हुए सर्व सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिए गए।

डीजी रेलवे द्वारा अपराधियों के सत्यापन व निगरानी की स्थिति में हत्या, बलात्कार, लूट, जहरखुरानी एवं बच्चा, मोबाइल चोरी आदि घटनाओं की समीक्षा करते हुए रोकथाम की कार्ययोजना बनाकर प्रभावी अनुपालन हेतु सर्व सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।पत्थरबाजी की समीक्षा करते हुए रोकथाम हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित करते हुए ट्रेनों में होने वाली पत्थरबाजी घटनाओं की रोकथाम किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। ई-साक्ष्य व ई-सम्मन के क्रियान्वयन के समीक्षा करते हुए सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। रेलवे स्टेशन के प्रवेश व निकास द्वार एवं प्लेटफार्म की सुरक्षा सुदृढ़ कर आने जाने वाले संदिग्ध लोगों पर निगरानी व पूछतांछ करने एवं स्टेशन परिसर में सतर्क दृष्टि बनाये रखने हेतु सर्व-सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। लंबित अभियोग, जांच, शिकायती प्रार्थना पत्र आदि की समीक्षा करते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण विधिक निस्तारण हेतु सर्व सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

पुलिसिंग को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक सुरक्षा उपकरण 'बॉडी वार्न कैमरों' एवं 'ब्लूटूथ स्पीकर्स' के संचालन व क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। ट्रेन में चलने वाले स्कार्ट ड्यूटी कर्मियों को सतर्क करने के लिए सर्व सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। ऑपरेशन मुस्कान, ऑपरेशन मिशन-शक्ति ऑपरेशन दहन एवं जीरो एफआईआर आदि की समीक्षा करते हुए प्रभावी कार्यवाही करने हेतु भी निर्देशित किया गया। आगामी परीक्षाओं के दृष्टिगत पूर्व से ही कार्ययोजना तैयार करते हुए प्रभावी अनुपालन करने हेतु सर्व सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

'अनुभव वीथिका' का स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने किया अवलोकन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में दिव्यांगजन बच्चों के लिए बनाए गए 'अनुभव वीथिका' का रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं कुलाधिपति जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज तथा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत द्वारा अवलोकन किया गया। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने वीथिका के उद्देश्यों एवं भावी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। यहां स्थापित 11 प्रमुख विरासत स्थलों एवं 10 वन्यजीवों की प्रतिकृतियों का अवलोकन भी किया। इन प्रतिकृतियों को ब्रेल लिपि, श्रव्य उपकरणों एवं स्पर्श आधारित तकनीकों के उपयोग से विशेष रूप से विकसित किया गया है, ताकि दिव्यांगजन बच्चे ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को अनुभवात्मक रूप से समझ सकें। मंडलायुक्त एवं निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय सौम्या अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संग्रहालय की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक महत्व एवं यहां संरक्षित विविध संग्रहों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। अतिथियों को संग्रहालय के लघु चित्र संग्रह से लगभग 19वीं शताब्दी की राजस्थानी शैली में निर्मित ह्यराम विवाहह्ल चित्र भेंट किया गया। दिव्यांग छात्र हिमांशु ने गीत प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. संजू मिश्रा ने किया। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपनिदेशक, प्रयागराज मंडल अभय कुमार श्रीवास्तव, अशोक कुमार गौतम तथा इलाहाबाद संग्रहालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी सुनील कुमार पाण्डेय आदि शामिल रहे।

आंधी-तूफान का कहर: मृतकों की संख्या 26 पहुंची, प्रशासन राहत-बचाव में जुटा

पोस्टमार्टम के बाद आश्रितों को दिया जा रहा मुआवजा, 20 पशुहानि और पांच घायल होने का दावा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बुधवार शाम आई तेज आंधी और तूफान ने भारी तबाही मचाई। हादसों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। जानमाल के बड़े नुकसान के बाद प्रशासनिक अमला राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। सभी मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर उनके आश्रितों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एडीएम वित्त एवं राजस्व एवं प्रभारी प्राकृतिक आपदा ने बताया कि मृतकों में फूलपुर के कुतुबुद्दीनपुर की 30 वर्षीय सविता, छह वर्षीय अनुपम, घरमपुर के 60 वर्षीय सदानंद, लिखैया के दिनेश कुमार, बदनामा के विनय, खुदरू के आरूष, सोरांव के जगदीशपुर निवासी सत्यम, सेरावां की 32 वर्षीय संगीता, खिजिरपुर के 24 वर्षीय इंदू पटेल, कटरा दयाराम के 55 वर्षीय रियासत अली, सेरावां की 32 वर्षीय आशा देवी, सिंघगढ़ के रिषभ श्रीवास्तव, अरुआव के मिठाई लाल, मेजा के बकचुंदा गांव की गुड़िया दुबे, भसुंदर की रीता देवी, चिलबिला के 12 वर्षीय अंश, मसौरा नरोत्तम के सात वर्षीय आदित्य, हंडिया के बघेड़ी निवासी बाउल, छतौना की अनीता, नाहरपुर के दुर्गा भारतीय, देवदहना के अंजनी, खखैचा के लालजी, सिरौ राजदेवी, मंदिर घरारा हंडिया की झिंगरी, मुस्कान तथा सदर तहसील के कैलाशपुरी निवासी सुमित यादव शामिल हैं।

प्रशासन का दावा है कि आंधी में 20 पशुओं की भी मौत हुई है और पांच लोग घायल हुए हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह आंकड़ा उन लोगों का है, जिनकी जानकारी प्रशासन तक पहुंची है। कई लोगों ने निजी स्तर पर अस्पतालों में इलाज कराया है, इसलिए घायलों की वास्तविक संख्या इससे अधिक होने की आशंका है।

एडीएम वित्त एवं राजस्व ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में मौत होने पर शासन की ओर से चार-चार लाख रुपये की मुआवजा राशि दी जाती है। मृतकों के परिजनों को सहायता राशि दिलाने की प्रक्रिया तेजी से कराई जा रही है।

वाराणसी निगम ने शिवपुर में धर्मशालाओं से अवैध कब्जा हटाया, रंगाई-पुताई और सफाई होगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में पंचक्रोशी यात्रा 15 मई शुक्रवार से शुरू हो रही है। इसे देखते हुए नगर निगम पंचक्रोशी परिक्रमा मार्ग में पड़ने वाले पड़ावों को दुरुस्त करने में गुरूवार को पूरे दिन लगा रहा। नगर निगम के अफसरों ने शिवपुर के रामभट्ट तालाब स्थित गोकुल धर्मशाला तथा हनुमान धर्मशालाओं को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर अपना ताला जड़ दिया। ताकि इसे ठीक कराकर श्रद्धालुओं के लिए खोला जा सके। संयुक्त जोनल अधिकारी व वरुणापार जोनल अधिकारी जितेंद्र कुमार आनंद और सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव के नेतृत्व में निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ शिवपुर पहुंची। लंबे समय से इन धर्मशालाओं के कमरों पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा जमा रखा था। टीम ने न केवल कब्जा हटाया,वरन भविष्य में दोबारा अतिक्रमण करने पर संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी भी दी। धर्मशाला परिसर और उसके आसपास झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रह रहे लोगों को भी निगम ने सख्त निर्देश दिए हैं। उन्हें अपना सामान समेटने के लिए 24 घंटे की मोहलत दी गई है। यदि निर्धारित समय के भीतर जगह खाली नहीं की गई, तो निगम बलपूर्वक कार्रवाई करेगा।

कागज दिखाने में नाकाम रहे कब्जाधारी

शिवपुर के पांचों पंडवा मार्ग पर ही कई अन्य लोगों ने भी निगम की जमीन पर कब्जा कर रखा है। अभियान के दौरान जब उनसे भूमि के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, तो वे कोई भी वैध कागजात नहीं दिखा सके। अधिकारियों ने उन्हें 24 घंटे का समय देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि मियाद पूरी होने के बाद बिना किसी नोटिस के बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण ध्वस्त कर दिया जाएगा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के अनुसार, शहरी सीमा में पंचक्रोशी यात्रा मार्ग में पड़ने वाले सभी पड़ावों का सुंदरीकरण और मरम्मत कार्य तेजी से चल रहा है।

सपा नेता के साथ मदद को घर पहुंचे लेखपाल, प्रधान और कोटेदार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सपा के वरिष्ठ नेता दूध नाथ पटेल ने फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र, थाना नवाबगंज अंतर्गत ग्राम बैजू तिवारी का पूरा, (सेरावां) निवासी अतुल कुमार सरोज की धर्मपत्नी श्रीमती संगीता देवी उम्र लगभग 32 वर्ष की बुधवार को आये भयंकर आंधी तूफान में पेड़ के नीचे दब जाने से मौत हो गई। उनके घर पर सम्बन्धित लेखपाल, ग्राम प्रधान श्याम लाल सरोज, कोटेदार मनीष कुमार आदि के साथ पहुंचकर संवेदना प्रकट करते हुए आर्थिक सहायता के लिए लिखा पढ़ी की प्रक्रिया की गयी।

भव्य रोजगार मेला 2026 सफलतापूर्वक संपन्न

प्रयागराज। आशा प्राइवेट आईटीआई हिंगूनगर मार्केट धोवहां रोड हडिया प्रयागराज के परिसर में आयोजित विशाल रोजगार मेला 2026 अत्यंत सफल एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस रोजगार मेले में कुल 568 प्रतिभागी छात्रों ने सहभागिता की, जिसमें से 218 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ। यह युवाओं के उज्ज्वल भविष्य एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाल गोविंद शुक्ला (मुख्य विकास अधिकारी, भदोही) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ज्योति यादव (ब्लॉक प्रमुख धनुपुर), मानव अधिकार संरक्षण संगठन के संरक्षक मुकेश दुबे, रौनक गुप्ता, चीफ वार्डन प्रयागराज, पवन पांडेय (ट्रैफिक इंस्पेक्टर प्रयागराज), विकास इलाहाबादी एवं रामकृष्ण मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अध्यक्षता अमित द्विवेदी प्रबंधक द्वारा की गई संचालन सुनील यादव एवं संतोष यादव प्रधानाचार्य द्वारा किया गया। रोजगार मेले में टीवीएस, रिलायंस, फ्लिपकार्ट, टाटा एवं अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों सहित लगभग 15 से ज्यादा कंपनियों ने प्रतिभाग कर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

प्रतीक यादव के निधन पर सपाइयों ने जताया गहरा दु:ख

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के छोटे भाई, कारोबारी प्रतीक यादव के निधन पर स्थानीय सपा नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

प्रतीक यादव (38)की लखनऊ में आकस्मिक मृत्यु की खबर आने के बाद ही सपा कार्यकताओं ने एक दूसरे को फोन मिलाकर पुष्टि किया। हर चेहरे पर गहरी निराशा और दु:ख के भाव छा गए। अचानक इस खबर पर लोगो को भरोसा नहीं हो पा रहा था।

पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह, सपा महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन, जिलाध्यक्षगण अनिल यादव, पप्पूलाल निषाद, एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायकगण विजमा यादव, हाकिम लाल बिन्द, संदीप पटेल, गीता शास्त्री, पूर्व सांसद धर्म राज पटेल, पूर्व विधायक हाजी परवेज, जोखू लाल यादव, नरेन्द्र सिंह, मुजतबा सिद्दीकी, बासुदेव यादव, पंधारी यादव, अमरनाथ सिंह मौर्य, निधि यादव, संदीप यादव, कमल सिंह, दूध नाथ पटेल, कृष्णमूर्ति, योगेश यादव, दानबहादुर मधुर, पूजा मिश्रा, रविन्द्र यादव, राजू पासी, जगदीश यादव, रामसुमेर पाल, आरएन यादव, सचिन श्रीवास्तव, तारिक सईद अज्जू, मो.शारिक, रमाकांत पटेल, लालचंद्र कुशवाहा, श्रीकांत यादव आदि ने गहरा दु:ख जताया है।

घूरपुर पुलिस द्वारा हत्या में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीसीपी यमुनानगर के निर्देश पर घूरपुर पुलिस हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गुरुवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक घूरपुर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर हत्या में वांछित आरोपी फरमान अली उर्फ पप्पू पुत्र मो0 शहीद उर्फ उसराहू नि0 बड़ी बोंगी थाना घूरपुर कमि0 प्रयागराज को बोंगी नहर पुलिया के पास थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

दिनांक- 27.04.2026 को वादी मो0 हुसैन पुत्र स्व0 निसार अहमद निवासी ग्राम बड़ी बोंगी थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र बावत पिता निसार अहमद पता उपरोक्त की प्रतिपक्षी गुड्डू आदि द्वारा बकरी हाकने की रंजिश को लेकर एक राय होकर लाठी डण्डे से मारपीट कर चोट पहुँचाना, दौराने इलाज रफ्फ अस्पताल प्रयागराज में निसार अहमद की मृत्यु हो जाने के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 150/2026 धारा 191(2)/103(1) बीएनएस बनाम 1.गुड्डू 2.अब्दुल 3.सलमान

4.राशिद 5.फरमान अली उर्फ पप्पू पुत्रगण उसराहू निवासीगण ग्राम बोंगी थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज के विरूद्ध पंजीकृत किया गया था । अभियोग पंजीकृत कर संबंधित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे जिसके क्रम में पूर्व में मुकदमा उपरोक्त के नामजद अभियुक्तगण 1.मो0 सहबान उर्फ गुड्डू 2.अब्दुल 3.सलमान 4.राशिद पुत्रगण मो0 शहीद उर्फ उसराहू नि0 ग्राम बडी बोंगी थाना घूरपुर जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया जा चुका है ।

पूछताछ में अभियुक्त फरमान अली उर्फ पप्पू उपरोक्त ने बताया कि दिनांक 27.04.2026 को मेरी बकरी को मो0 हुसैन ने ईटा मार दिया था ।

जिससे उसकी आँख में चोट लग गयी थी । उसी की पंचायत निसार अहमद के घर के सामने हो रही थी । निसार अहमद उल्टा सीधा बोल रहे थे । गुस्से में मै तथा मेरे अन्य चार भाई 1.गुड्डू उर्फ सहबान 2.अब्दुल उर्फ फैजान अली 3.मो0 सलमान 4.मो0 राशिद ने निसार अहमद के साथ मारपीट की थी । निसार अहमद बेहोश हो गये थे तब मै तथा मेरे भाई भाग गये थे इलाज के दौरान निसार अहमद की मृत्यु हो गयी थी।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 दिनेश सिंह थाना घूरपुर. का0 नरेश चन्द्र. का0 रवि किशन थाना घूरपुर कमिश्नरेट प्रयागराज।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज । थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त दीपक पुत्र स्व0 ननकु नि0 हथिगन थाना घूरपुर प्रयागराज को हथिगन थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

संपादकीय

सामाजिक हित और हम,इसे निभाने में कोताही क्यों?

प्रख्यात अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की सामाजिक चेतना और भागीदारी में निहित होती है। जब कोई राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, ऊर्जा अथवा सामरिक विषमताओं से गुजरता है, तब केवल सरकार या सेना ही नहीं, बल्कि देश का प्रत्येक नागरिक उस चुनौती का हिस्सा बन जाता है। इतिहास सदैव गवाह है कि जिन देशों के नागरिकों ने कठिन समय में संयम, अनुशासन और त्याग का परिचय दिया, वे राष्ट्र अधिक मजबूत होकर उभरे। राष्ट्र केवल सीमाओं, संसदों और संस्थाओं से नहीं बनता, बल्कि करोड़ों नागरिकों की चेतना, जिम्मेदारी और व्यवहार से निर्मित होता है। इसलिए विपरीत परिस्थितियों के समय देश के हित को सबसे ऊपर रखना प्रत्येक नागरिक का पहला दायित्व बन जाता है। भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था कि हर नागरिक को यह अनुभव होना चाहिए कि उसका देश स्वतंत्र है और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करना उसका कर्तव्य है।

आज विश्व अनेक प्रकार के संकटों से गुजर रहा है। कहीं युद्ध की विभीषिका है, कहीं ऊर्जा संकट, कहीं महंगाई और आर्थिक अस्थिरता। विश्व की अनेक घटनाओं का प्रभाव भारत जैसे विशाल विकासशील देश पर भी पड़ता है। ऐसे समय में यदि देश का मुखिया जनता से ऊर्जा बचाने, आवश्यक वस्तुओं के विवेकपूर्ण उपयोग या आर्थिक संयम का आह्वान करते हैं, तो उसे केवल सरकारी निर्देश मानकर नहीं, बल्कि अपना स्वयं का काम समझकर स्वीकार करना चाहिए। महात्मा गांधी जी ने कहा था कि पृथ्वी प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन प्रत्येक मनुष्य के लालच को नहीं। यह कथन आज के उपभोक्तावादी दौर में और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। आवश्यकता और अंधाधुंध उपभोग के बीच का अंतर समझना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स का मानना था कि आर्थिक स्थिरता केवल सरकारी नीतियों से नहीं आती, बल्कि उपभोक्ताओं और नागरिकों के व्यवहार से भी निर्मित होती है। यदि जनता विवेकपूर्ण आचरण करे तो बड़े आर्थिक संकटों का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है। ऊर्जा संकट इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यदि देश ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर हो और विश्व की परिस्थितियों के कारण तेल एवं गैस की कीमतें बढ़ जाएँ, तो उसका सीधा प्रभाव देश की आर्थिक सामाजिक स्थिति पर पड़ता है। ऐसे समय में यदि नागरिक बिजली, ईंधन और संसाधनों का संयमित उपयोग करें, सार्वजनिक परिवहन अपनाएँ, अनावश्यक उपभोग कम करें, तो यह समाज की आर्थिक शक्ति को मजबूत करने वाला कदम बन जाता है। छोटी-छोटी सावधानियाँ भी बड़े परिणाम देती हैं। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक ए. पी. जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे किसी देश को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मन वाले लोगों का राष्ट्र बनाना है, तो उसमें तीन लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं – माता, पिता और शिक्षक। इस कथन का व्यापक अर्थ यह है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की नैतिक भागीदारी से संभव होता है। आर्थिक संकट के समय समझदारी से खरीदारी करना भी देश हित का हिस्सा है। आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक संग्रह, कालाबाजारी को बढ़ावा देना, अफवाहों में आकर जरूरत से अधिक खरीदारी करना, यह सब देश की व्यवस्था को कमजोर करता है। कोविड महामारी के समय हमने देखा कि कैसे कुछ लोगों ने दवाइयों, ऑक्सीजन और खाद्य सामग्री का अनावश्यक भंडारण किया, जबकि अनेक नागरिकों ने सेवा, सहयोग और संयम का परिचय देकर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की थी। विषम परिस्थिति यह तय करती है कि कि समाज स्वार्थ से चलेगा या संवेदनशीलता से। यहां यह बात समझ में आती है कि आर्थिक नीतियाँ तभी सफल होती हैं जब आमजन सहयोग की भावना से जुड़ें।

बंगाल में 'शुभ राज' के साथ सनातन का सूर्योदय

मृत्युंजय दीक्षित

पश्चिम बंगाल में 69 वर्षों के अथक संघर्ष के बाद भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार प्रथम सरकार शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में कार्यभार ग्रहण करके काम पर लग गयी है। बंगाल में बीजेपी की विजय बहुत बड़ी व ऐतिहासिक है। बंगाल ही नहीं भारत के अन्य भागों में भी इस विजय का आनंद दिखाई वातावरण दे रहा है। इस विजय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्नाटक, तेलंगना और गुजरात के दौरे में जो भीड़ उमड़ रही है उससे स्पष्ट रूप से जनसामान्य और भाजपा कायकताओं के उत्साह का अनुमान लगाया जा सकता है। बंगाल विधानसभा चुनावों मे हिंदू समाज ने पहली बार बांग्लादेशी घुसपैठ और मुस्लिम तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के विरुद्ध एकजुट होकर मतदान किया और जिसका परिणाम आज पूरा भारत देख रहा है। बंगाल की जिस धरती पर 75 वर्ष पूर्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की वैचारिक नींव रखी थी उसी बंगाल में पहली बार भाजपा 207 सीटों के साथ सत्ता के शिखर पर पंहुची और भगवा वस्त्रों में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बंगाल की कैबिनेट में अभी पांच मंत्रियों को ही शपथ दिलाई गई है, जिसमें बंगाल में भाजपा का संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाने वाले दिलीप घोष, फैशन डिजाइनर से बंगाल भाजपा की सबसे मुखर नेत्री बनी अग्निमित्रा पॉल जिन्होंने तृणमूल के खिलाफ आक्रामक मोर्चा संभाला, बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थी मतुआ समुदाय के प्रमुख चेहरे अशोक कीर्तनिया जो उत्तर 24 परगना जिले के भारत -बांग्लादेश सीमा से सटे इलाको में भाजपा के जमीनी संगठनकर्ता के रूप मे अत्यंत सक्रिय रहे हैं, छात्र राजनीति से उभरे नेता निशीथ प्रामाणिक जो 2019 में भाजपा से जुड़े और जंगल महल के आदिवासी समुदाय के बड़े नेता खुदीराम टुडू शामिल हैं।

जनगणना कर्मी से कुछ नहीं छुपाएं, वरना हो सकता है जेल-जुर्माना

अजय कुमार,

2011 के बाद देश की आबादी में कितना इजाफा हुआ है, इसका पता लगाने के लिये जनगणना कर्मी 22 मई से लोगों के घर पहुंचना शुरू कर देंगे। आजादी के बाद यह आठवीं जनगणना है। इससे पहले 1951, 1961, 1971, 1981, 1991, 2001, 2011 में भी जनगणना का कार्य हो चुका है। 2021 में कोरोना महामारी के चलते जनगणना का काम नहीं हो पाया था, जो अब 2026 में सम्पन्न होने जा रहा है। जनगणना के लिये सरकार को काफी व्यय और व्यवस्था करनी पड़ती है। इसलिये आम हिन्दुस्तानी भी बाध्य है कि वह जनगणना कर्मी को सही तथ्य और जानकारी प्रदान करें। यदि जनगणना के दौरान कोई पुरुष/महिला किसी तथ्य को जानबूझकर छिपाता/छिपाती है, तो इसका अंजाम सही नहीं होगा। ऐसे लोगों पर जुमार्ना लगाया जा सकता है और जेल भी भेजा जा सकता है। मतलब जनगणना कर्मी से कुछ भी छिपाना अब हल्की बात नहीं मानी जाएगी। जनगणना अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर गलत जानकारी देता है, कोई तथ्य छिपाता है या जनगणना से जुड़े दायित्व का पालन नहीं करता, तो उस पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। अधिनियम की धारा 11 के तहत ऐसे मामलों में एक हजार रुपये तक का जुमार्ना और तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। यही नहीं, यह प्रावधान केवल उत्तरदाता पर ही नहीं, बल्कि प्रगणक पर भी समान रूप से लागू होता है। यदि प्रगणक अपने काम के दौरान मिली जानकारी को बाहर किसी से साझा करता है, तो आरोप साबित होने की स्थिति में उस पर भी कार्रवाई हो सकती है। जनगणना से जुड़ी इस कानूनी व्यवस्था को लेकर इन दिनों प्रगणक और पर्यवेक्षक भी खासे सतर्क हो गए हैं। स्वगणना के दौरान कुछ लोगों द्वारा जानकारी छिपाने या अधूरी जानकारी देने की चचाओं ने जनगणना से जुड़े अमले को और अधिक सावधान कर दिया है। अधिकारियों का मानना है कि जनगणना केवल औपचारिक आंकड़ा जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसके आधार पर सरकारें योजनाएं बनाती हैं, संसाधन तय करती हैं और सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन करती हैं। ऐसे में अगर किसी स्तर पर जानकारी गलत दर्ज होती है या जानबूझकर छिपाई जाती है, तो उसका असर पूरी व्यवस्था पर पड़ सकता है। प्रगणकों को निर्देश दिया जा रहा है कि वे घर-घर जाकर दर्ज की जाने वाली सूचनाओं को पूरी गंभीरता से सत्यापित करें। खासकर हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर जिम्मेदारी सीधे प्रगणक पर आ सकती है। प्रशासनिक स्तर पर यह माना जा रहा है कि यदि किसी ब्लॉक में परिवारों की संख्या, लोगों की संख्या या अन्य बुनियादी विवरण असामान्य रूप से कम पाए जाते हैं, तो यह संदेह का कारण बन सकता है। ऐसी स्थिति में पुनरीक्षण कराया जा सकता है, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। जनगणना का सबसे बड़ा आधार विश्वास है। सरकार को सही आंकड़े चाहिए और नागरिकों को यह भरोसा होना चाहिए कि दी गई जानकारी सुरक्षित रहेगी। यही कारण है कि जनगणना से जुड़े कर्मचारियों को गोपनीयता के नियमों का कड़ाई से पालन करना होता है। जनगणना में एकत्र की गई सूचनाएं व्यक्तिगत स्तर पर संवेदनशील मानी जाती हैं। किसी भी प्रगणक द्वारा इन तथ्यों को बाहर साझा करना कानून के दायरे में गंभीर लापरवाही माना जाता है। यदि यह साबित हो जाता है कि किसी कर्मचारी ने जानकारी लीक की, तो उसके खिलाफ दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं। इस बार स्वगणना को लेकर भी विशेष चर्चा बनी हुई है। स्वगणना में लोग स्वयं अपने बारे में और अपने परिवार के बारे में जानकारी दर्ज करते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर कुछ तथ्य छिपा देता है, तो इसका असर अंतिम आंकड़ों पर पड़ता है। कुछ मामलों में लोग आय, शिक्षा, परिवार के सदस्यों की संख्या, निवास की स्थिति या अन्य सामाजिक जानकारी को अधूरा छोड़ देते हैं। ऐसी हरकतें भले ही व्यक्तिगत स्तर पर छोटी लगें, लेकिन जब यह हजारों-लाखों घरों में होती हैं, तो राष्ट्रीय आंकड़ों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से प्रगणकों को यह भी कहा जा रहा है कि वे केवल फॉर्म भरवाने तक सीमित न रहें, बल्कि जानकारी की संगति भी देखें। अगर किसी घर में लोगों की संख्या बहुत कम दिखाई देती है, जबकि आसपास की परिस्थिति कुछ और संकेत देती है, तो उसे तुरंत चिह्नित किया जा सकता है। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी घर में रहने वाले लोग बाहर चले गए हों, या किसी सदस्य का नाम जानबूझकर दर्ज न कराया गया हो। ऐसे मामलों में पुनरीक्षण की प्रक्रिया अपनाकर वास्तविक तथ्य जुटाए जा सकते हैं। प्रशासन का कहना है कि संदेह के आधार पर जांच कराना जनगणना की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जरूरी है। हाउस लिस्टिंग ब्लॉक के स्तर पर यह व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही जनगणना की प्राथमिक इकाई मानी जाती है। इसी स्तर पर मकानों, परिवारों और निवासियों का प्रारंभिक रिकॉर्ड तैयार होता है। यदि यही रिकॉर्ड गलत या अधूरा हो गया, तो आगे के सभी आंकड़ों में त्रुटि आ सकती है। इसलिए प्रगणकों को साफ निर्देश हैं कि वे किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। यदि किसी ब्लॉक में ज्यादा अनियमितता मिलती है, तो इसकी जवाबदेही तय की जाएगी। इससे न केवल संबंधित प्रगणक की भूमिका सवालों के घेरे में आएगी, बल्कि पर्यवेक्षण व्यवस्था पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। अधिकारियों का मानना है कि जनगणना के काम में सतर्कता सिर्फ नियमों की वजह से नहीं, बल्कि सार्वजनिक हित की वजह से भी जरूरी है। देश की योजनाएं, विकास कार्य, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा सुविधाएं, रोजगार से जुड़े आकलन और कई तरह के संसाधन वितरण जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर करते हैं। यदि किसी क्षेत्र की वास्तविक जनसंख्या कम दिखाई जाती है, तो वहां मिलने वाले संसाधनों पर असर पड़ सकता है। इसी तरह यदि किसी समुदाय, बस्ती या इलाके की सही गिनती नहीं हुई, तो वे लाभ से वंचित रह सकते हैं। इसलिए जनगणना अमले को यह समझाया जा रहा है कि हर विवरण की अहमियत है। एक गलत प्रविष्टि भी पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल सकती है। यही वजह है कि प्रगणक, पर्यवेक्षक और संबंधित अधिकारी अब अधिक चौकन्ने हो गए हैं। वे इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जनता भी सहयोग करें और सही जानकारी दे। जनगणना को लेकर किसी तरह की अफवाह, डर या लापरवाही से बचना होगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि जनगणना केवल सरकारी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक वास्तविकता का आईना है। इसमें जितनी सच्चाई होगी, नीति निर्माण उतना ही मजबूत होगा। अगर लोग अपनी जानकारी छिपाते हैं, तो वे सिर्फ नियम का उल्लंघन नहीं करते, बल्कि अपने इलाके और समुदाय के हिस्से के अधिकारों को भी कमजोर कर सकते हैं। इसी तरह यदि जनगणना कर्मी गोपनीयता भंग करते हैं, तो वे पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाते हैं।

प्रशासन अब यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि हर स्तर पर निगरानी सख्त रहे। प्रगणकों को बार-बार निर्देश दिए जा रहे हैं, पर्यवेक्षक क्षेत्रीय जांच कर रहे हैं और जहां भी आंकड़ों में असामान्यता दिख रही है, वहां पुनर्परीक्षण की तैयारी है। अधिकारियों की कोशिश है कि किसी भी तरह की कमी पहले ही पकड़ ली जाए, ताकि अंतिम आंकड़े अधिक सटीक और भरोसेमंद हों।

पश्चिम बंगाल में बदलाव, 'इंडिया' से बांग्लादेश तक सहमा

संजय सक्सेना

पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में अपनी सरकार बना ली है, जो दशकों पुरानी तृणमूल कांग्रेस की सत्ता को समाप्त करने वाला ऐतिहासिक कदम है। इस बदलाव ने न केवल राज्य की सीमाओं को पार किया है, बल्कि पूरे देश और पड़ोसी बांग्लादेश तक हलचल मचा दी है। विपक्षी दलों के नेताओं से लेकर बुद्धिजीवियों तक सबकी चिंता बढ़ गई है। मुस्लिम समुदाय के कुछ मौलाना और कट्टरपंथी तत्व सदमे में हैं, जबकि ह्यइंडियाह्न गठबंधन से लेकर बांग्लादेश तक संसद से सड़क तक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। जबकि बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना जैसी प्रमुख हस्तियां बंगाल में बीजेपी की जीत पर खुशी जता रही हैं, वहीं ममता बनर्जी हार के गम में डूबी हुई हैं। यह बदलाव राज्य की राजनीति को नई दिशा और सोच दे रहा है। भारतीय जनता पार्टी की जीत ने कांग्रेस और गांधी परिवार को सबसे ज्यादा झटका दिया है। लंबे समय से पश्चिम बंगाल को वामपंथी और उसके बाद तृणमूल के गढ़ के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब भाजपा का उदय विपक्ष की एकजुटता को चुनौती दे रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस हार को लेकर चुप्पी साध ली है, लेकिन उनके करीबी सर्कल में चर्चा है कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की रणनीति प्रभावित होगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की है कि यह जीत अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ जनादेश है, लेकिन आंतरिक रूप से वे चिंतित हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश में भी भाजपा मजबूत हो रही है।

राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने इसे बिहार के लिए खतरे की घंटी बताया है। वे मानते हैं कि पश्चिम बंगाल का मॉडल बिहार में मुस्लिम-यादव गठजोड़ को कमजोर कर सकता है। आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली से बयान दिया कि भाजपा की जीत विकास के नाम पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का परिणाम है। केजरीवाल की पार्टी, जो खुद अल्पसंख्यक समर्थन पर निर्भर है, अब पंजाब और दिल्ली में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने को मजबूर हो गई है। बुद्धिजीवी वर्ग, जो लंबे समय से धर्मनिरपेक्षता के नाम पर तुष्टिकरण की राजनीति का समर्थन करता रहा, अब असहज है। टीवी डिबेट्स में वे भाजपा की जीत को लोकतंत्र के लिए खतरा बता रहे हैं, लेकिन जनता का जनादेश उनके तर्कों को कमजोर कर रहा है। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी करीब 27 प्रतिशत है, जो तृणमूल की जीत का प्रमुख आधार रही। भाजपा की सरकार बनने से कई मौलाना और कट्टरपंथी नेता स्तब्ध हैं। मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे जिलों में, जहां मुस्लिम बहुल इलाके हैं, वहां अब चिंता की लहर है। कुछ मौलाना ने फतवे जारी करने की धमकी दी है, जबकि मदरसों में बैठकें हो रही हैं। वे डर जता रहे हैं कि भाजपा की नीतियां उनके प्रभाव को कम करेंगी। वास्तव में, भाजपा ने चुनाव में हिंदू एकजुटता के साथ-साथ विकास और सुशासन का एजेंडा चलाया, जिससे अल्पसंख्यक वोट बंट गए। तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले नेता अब अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर हैं। यह बदलाव लंबे समय से चली आ रही सांप्रदायिक संतुलन को तोड़ सकता है। सबसे चौंकाने वाली बात है पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत पर बांग्लादेश का मातम। सत्ता परिवर्तन का असर सीमा पार बांग्लादेश ही नहीं, पाकिस्तान में भी दिख रहा है। बांग्लादेश की संसद में विपक्षी नेता पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार को अपने देश के लिए खतरा बता रहे हैं। वे दावा कर रहे हैं कि इससे अवैध घुसपैठ और सीमा विवाद बढ़ेंगे। ढाका की सड़कों पर प्रदर्शन हो रहे हैं, जहां नारे लगाए जा रहे हैं कि भाजपा की सरकार बांग्लादेशी हितों के खिलाफ है। बांग्लादेश की वर्तमान सरकार, जो शेख हसीना के बाद आई है, इस बदलाव से असहज है। उनका मानना है कि ममता बनर्जी की सरकार बांग्लादेश के साथ नरम रुख रखती थी, जबकि भाजपा कठोर रवैया अपनाएगी। नागरिकता कानून और घुसपैठ के मुद्दे पर अब दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह हंगामा आंतरिक राजनीति का हिस्सा है, जहां पश्चिम बंगाल का मुद्दा बांग्लादेशी विपक्ष अपने एजेंडे के लिए इस्तेमाल कर रहा है। उधर, भारत में शरणार्थी जीवन जी रही बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना इस सत्ता परिवर्तन से बेहद प्रसन्न हैं। उन्होंने निजी बातचीत में कहा कि भाजपा की जीत उनके लंबे संघर्ष को मजबूती देगी। हसीना का मानना है कि ममता बनर्जी की सरकार ने बांग्लादेशी कट्टरवादियों को संरक्षण दिया था, जो अब समाप्त होगा। वहीं, ममता बनर्जी हार के सदमे से उबर नहीं पा रही हैं। कोलकाता के निवास पर वे चुपचाप बैठी रहती हैं, जबकि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस सड़कों पर चुनावी धांधली के आरोप लगा रही है। वे राज्यपाल के खिलाफ मोर्चा खोल रही हैं।

मातृभाषा, संस्कृति और शिक्षा : राजस्थानी के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय

सुनील कुमार महला

भारत की भाषाई, सांस्कृतिक और शैक्षिक चेतना के लिए 12 मई 2026 का दिन ऐतिहासिक माना जाएगा। दरअसल, 12 मई 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय(माननीय सुप्रीम कोर्ट) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए राजस्थान सरकार को यह निर्देश दिया है कि वह राज्य के सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में राजस्थानी भाषा को विषय के रूप में पढ़ाने तथा चरणबद्ध तरीके से इसे शिक्षा का माध्यम बनाने हेतु(प्राथमिक , माध्यमिक और उच्च शिक्षा में) व्यापक नीति तैयार करे। न्यायालय ने इस संबंध में 30 सितंबर 2026 तक पालना रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने को कहा है। वास्तव में, यह निर्णय केवल एक भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृभाषा आधारित शिक्षा, हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और संवैधानिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का भी एक व्यापक व बड़ा संदेश देता है। पाठकों को बताता चलूं कि यह फैसला पदम मेहता एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर न्यायमूर्ति (जस्टिस) विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति(जस्टिस) संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया है। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान हाईकोर्ट के उस पूर्व निर्णय को पलट दिया, जिसमें यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी गई थी कि शिक्षा नीति के मामलों में न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता। वास्तव में, माननीय सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि मातृभाषा में शिक्षा केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त अधिकारों और व्यक्ति की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा प्रश्न है। न्यायालय ने कहा कि किसी व्यक्ति का अपनी भाषा में समझना, सीखना और अभिव्यक्त होना उसके 'अस्तित्वगत अधिकार' का हिस्सा है।न्यायालय ने अपने निर्णय में मातृभाषा आधारित शिक्षा को बच्चों के बौद्धिक विकास, आत्मविश्वास और बेहतर सीखने की क्षमता से जोड़ा। अदालत ने यह भी माना कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 4.36 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली राजस्थानी भाषा की उपेक्षा करना संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। याचिका में राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) में राजस्थानी भाषा को शामिल करने की मांग भी की गई थी, जिसे न्यायालय ने गंभीरता से स्वीकार किया। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि इस फैसले के बाद अब राजस्थानी भाषा को प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में शामिल करने की दिशा में ठोस पहल करनी होगी। इतना ही नहीं, सरकार को चरणबद्ध क्रियान्वयन, पाठ्यक्रम निर्माण, शिक्षक प्रशिक्षण तथा अध्ययन सामग्री विकसित करने की नीति तैयार करनी होगी। वास्तव में, इससे जहां एक ओर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मातृभाषा आधारित शिक्षा की भावना को भी बल मिलेगा।

विकास की दौड़ में प्रकृति से बढ़ती दूरी का परिणाम है पर्यावरण असंतुलन

डॉ.राघवेंद्र शर्मा

पर्यावरण असंतुलन आज भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की सबसे बड़ी और ज्वलंत समस्या बन चुका है। जिस विकास को हम अपनी प्रगति का पर्याय मान रहे हैं, वह कहीं न कहीं हमारी जीवनरेखा, प्रकृति को ही कमजोर कर रहा है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई जारी है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बुरी तरह बिगड़ गया है। इसके दुष्परिणाम जलवायु परिवर्तन, अनियमित मौसम और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में हमारे सामने आ रहे हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए हमें न केवल तात्कालिक उपाय करने होंगे, बल्कि अपनी जीवनशैली और विकास की परिभाषा में भी मूलभूत परिवर्तन लाने होंगे।

मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हमने हमेशा प्रकृति के संसाधनों का उपयोग किया है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह उपयोग 'दोहन' की सीमा पार कर 'शोषण' बन गया है। सड़कें बनाने, उद्योग स्थापित करने, और आवास योजनाएं लागू करने के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई निर्बाध रूप से जारी है। जंगल के जंगल साफ हो रहे हैं, और कंक्रीट के जंगल उनका स्थान ले रहे हैं। विकास की यह दौड़ इस मूलभूत सत्य को अनदेखा कर रही है कि पेड़ केवल लकड़ी या जमीन घेरने वाले तत्त्व नहीं हैं, बल्कि वे पृथ्वी के फेफड़े हैं। वे हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन) देते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं, और जल चक्र को बनाए रखते हैं।

असफल पौधारोपण और परिणाम

समस्या केवल पेड़ों के काटने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके बाद की निष्क्रियता में भी है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि जितने पेड़ काटे जाते हैं, उतने नए पेड़ लगा दिए जाते हैं। लेकिन वास्तविकता इससे बहुत दूर है। जितने पेड़ काटे जाते हैं, उतने नए नहीं लगाए जाते, और जो लगाए भी जाते हैं, उनमें से अधिकतम मर जाते हैं। पौधारोपण अभियानों में अक्सर केवल खानापूर्ति होती है।पेड़ लगाने के बाद उनकी देखभाल, पानी देना, या उन्हें जानवरों से बचाने का कार्य सही ढंग से नहीं होता। फलतः बहुत कम पौधारोपण सफल हो पाता है। यह स्थिति 'मृत पौधे' और 'कटे हुए पेड़' के बीच एक बड़ा असंतुलन पैदा करती है, जिसके फलस्वरूप पर्यावरण लगातार बिगड़ रहा है। वायु में कार्बन का स्तर बढ़ रहा है, गर्मी बढ़ रही है, और जैव विविधता खतरे में है। इस पर्यावरण असंतुलन का सीधा असर मानव जीवन और उसकी गुणवत्ता पर पड़ रहा है। तेजी से बढ़ते बड़े महानगरों में पेड़ों की छांव नसीब नहीं है। जहाँ कभी घने वृक्षों की शीतलता मिलती थी, वहाँ अब तपती कंक्रीट की इमारतें और डामर की सड़कें हैं, जो अतिरिक्त गर्मी के वातावरण को जन्म देती हैं।

शहरों में शुद्ध हवा और ताजगी का अभाव है, जिसके कारण श्वसन संबंधी बीमारियाँ और तनाव बढ़ रहे हैं। शहर के बीचों-बीच एक बड़े पेड़ का होना न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक शांति और सौंदर्यबोध के लिए भी आवश्यक है।

अनियमित मौसम और इसके प्रभाव

पेड़ों की कमी और बढ़ते प्रदूषण के कारण मौसम अनियमित हो रहे हैं। अत्यधिक गर्मी, अप्रत्याशित बारिश, लंबे समय तक सूखा, और अचानक बाढ़,ये सब जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं। कहीं कम समय में इतनी ज्यादा बारिश हो रही है कि बाढ़ आ जाती है, तो कहीं लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। यह अनियमितता कृषि को प्रभावित कर रही है, जिससे खाद्य सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। मौसम की यह अनिश्चितता सीधे तौर पर मानव जीवन की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को चोट पहुँचा रही है।

समाधान की ओरः एक नया दृष्टिकोण

यह स्पष्ट है कि अब हमें एक अलग राह पर चलने की आवश्यकता है। हमें ऐसे समाधान खोजने होंगे जो विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच समन्वय स्थापित करें।

सबसे पहली और महत्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि हम ऐसे विकल्प ढूंढ़े, जहाँ पेड़ काटे बगैर विकास संभव हो। निर्माण परियोजनाओं को इस तरह से नियोजित करना होगा कि वे यथा संभव कम से कम वृक्षों को प्रभावित करें।

इसके लिए आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों और 'ग्रीन आर्किटेक्चर' का उपयोग किया जा सकता है। शहरों के क्षैतिज विस्तार को नियंत्रित कर ऊर्ध्वाधर विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिससे कम भूमि का उपयोग हो और जंगल सुरक्षित रहें।

भारत में नया राष्ट्र कुर्सीस्तान

आत्माराम यादव

भारत के नेताओं के प्राण कुर्सियों में बसे है, कुर्सी गई, नेता प्राणहीन हो जाता है। देवताओं का आए दिन असुरों के हाथों पराजित होना पड़ता था ओर इन्द्र अपना इंद्रासन छोड़ श्रीविष्णु की शरण में जाते तब देव ओर दनुजों की हालत 52 पत्तों के जैसी थी जिसमें हुकुम, पान चिड़ी व ईंट चार सेट में एक्का से दहला तक ओर चार बादशाह, चार रानी, चार रानी ओर एक जोकर की भांति कभी देवता इन पत्तों के रूप में दानवों के हाथों में पीसे जाते तो कभी दानव देवताओं के हाथो पिस रहे होते तब विष्णु जी ने दानवों के हाथों देवता न पिसे इसके लिए उन्हे अमर बनाने समुद्र मंथन कराया तब आखरी बार देवताओं ओर दानवों ने मंडराचल से समुद्र को मथा। मथने से अमृत निकला विष्णु जी ने देवताओ ओर दानवों की अलग पंक्ति लगा मोहनी रूप रख देवताओं को अमृत पिला अमर कर दिया। श्रीनारायण ने देवताओं को अजर अमर करने हेतु मोहनी रूप रख असुरों के साथ छल कर देवताओं की कुर्सी को अमरता दे दी। इन्द्र की कुर्सी बचाने के लिए दुनिया का पहला छल जगत ने देखा तभी से भारत में एक नए राष्ट्र कुर्सीस्थान का बीजारोपन हुआ। छल से कुर्सी बचाने का चलन तभी से दुनिया के सामने आया ओर भारत के नेता पूरी ताकत से कुर्सीस्थान बनाने में सफल भी हुये है, बस अंतर इतना है कि विष्णु जी ने यह छल असुरों की ताकत को नष्ट कर देव ताकत स्थापित करने के लिए किया था, पर आज उल्टा चलन शुरू हुआ जिसमे मनुष्य के रूप में सारे असुर देवताओं का मेकअप करके अपनी प्रजा के शरीर में दौड़ रहे खून की आखिरी बूंद तक चूसने का शोषण करने अंगद के पैर कि तरह जाम चुके है। भारत आज इसी छल-कपट, अत्याचार ओर शोषण की ताकत पर कुर्सीस्थान बनने जा रहा है, इसमे कोई नई बात नहीं है। भारत जम्बूदीप का हिस्सा रहा है पहले जंबुदीप कुर्सीस्थान बना ओर कुर्सियों कि ललक ने जम्बूदीप भारत के खण्ड-खण्ड किए जिसमें ईरान, अफगानिस्थान, पाकिस्तान, हिंदुस्तान, नेपाल, भूटान, म्यामर, श्रीलंका, मालद्वीप, थाइलेंड, मलेशिया, इन्डोनेशिया, कंबोडिया, वियतनाम ओर लायोस आदि 15 देश बने यानि हमारे अखण्ड जंबुदीप राष्ट्र के खण्ड-खण्ड 15 टुकड़े दुनिया में 15 देशों मे बट गए। इन 15 देशों में करोड़ों कुर्सिया नेताओं, प्रशासनिक अधिकारिओ आदि को मिल गई।

अंग्रेजों कि गुलामी से मुक्त हुये तो पाकिस्तान, बांग्लादेश ओर भारत के सयुंक्त क्षेत्रफल अखण्ड भारत न पाकर नेताओं के कुर्सी प्रेम के कारण 3 देशों में बट गए।

इससे नेताओं को कोई फर्क नहीं पड़ा, अगर उनके खून में राष्ट्र प्रेम होता तो जंबुदीप के 15 खंड अर्थात 15 देश नहीं होते।

एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं: शाह

गाजियाबाद।
केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह आज सुबह गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने एनडीआरएफ के राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्वास है कि एनडीआरएफ देश की जनता को किसी भी प्रकार की आपदा से सुरक्षित करने के लिए और मजबूती के साथ भविष्य में काम कर पाएगी। शाह ने कहा कि एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 से न केवल आपदा और राहत कार्य के नवीनीकरण के लिए काम किया गया है, बल्कि अब हम ऐसी स्थिति में आ गए हैं कि हम जीरो कैजुअल्टी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने छह परियोजनाओं का उद्घाटन किया। शाह ने कहा कि इन परियोजनाओं के चालू होने से राहत और बचाव कार्य में और आसानी होगी।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि जिस आपदा का हमें पूवार्नुमान है। इसका अंदेशा मौसम विभाग से मिल गया है, वहां पर जान माल की सुरक्षा, संपूर्ण सुरक्षा हमारा लक्ष्य हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में ढेर सारे काम किए गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए बहुत सारे निर्णय लिये गए है। जागरुकता और बचाव ऐप भी बनाए गए है। इसके माध्यम से धीरे-धीरे आपदा बचाओ देश का एक संस्कार बनता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ ने न केवल नागरिकों को, नागरिकों के साथ रहने वाले बेजुबान पशुओं को भी बचाकर उत्कृष्ट सेवा का उदाहरण दिया है। सरकार का लक्ष्य जानमाल और संपत्ति का नुकसान न्यूनतम करना है। हीट वेव जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए गृह मंत्रालय तैयारी कर चुका है। आने वाले कुछ वर्ष में इसकी वजह से होने वाली जानमाल की हानि को हम न्यूनतम तक पहुंचाने में सफल होंगे।

उन्होंने कहा कि एनडीआरफ और गृह मंत्रालय ने 8,500 से अधिक अपने जवान, 10 हजार सिविल डिफेंस से जुड़े हुए कर्मचारी और 2 लाख 20 हजार से ज्यादा वालंटियर को प्रशिक्षित करने का सराहनीय काम किया है। दो वर्षों में 10,500 से ज्यादा नाविकों को भी प्रशिक्षित किया गया है। आज कुछ आपदा मित्र भी यहां पर उपस्थित हैं। डिजास्टर को मजबूत करने के लिए आपदा मित्रों का सहयोग उपयोगी होगा।

उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ ने 20 वर्ष के अपने कार्यकाल में एक ऐसा स्थान प्राप्त किया है कि बल को देखकर देश का हर नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है। इस बल ने अपने देश ही नहीं विदेश में भी आई आपदाओं में पहुंचकर सराहनीय कार्य किया, जिससे भारत का नाम रोशन हुआ है।

उन्होंने मौसम विभाग और एनडीआरएफ की तारीफ करते हुए कहा कि 7 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाकर जलवायु परिवर्तन को रोकने और पर्यावरण को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई है।

नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में एबीवीपी के विरोध प्रदर्शन में पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई, चौकी इंचार्ज व कांस्टेबल लाइन हाजिर

कानपुर।
काकादेव कोचिंग मंडी में नीट-यूजी 2026 परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं के विरोध में बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकताओं ने न्यू स्पीड कोचिंग चौराहे पर विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकताओं के बीच झड़प हो गई। अभाविप कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट की। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने पांडु नगर चौकी इंचार्ज निखिल शर्मा और कांस्टेबल आशुतोष पांडे को लाइन हाजिर कर दिया। साथ ही पूरे मामले की जांच कराने की बात कही गई है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो, पेपर माफियाओं को गिरफ्तार करो और एनटीए की जवाबदेही तय करो जैसे नारे लगाए। शहर के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों से पहुंचे सैकड़ों विद्यार्थियों ने प्रदर्शन में भाग लिया और नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं के खिलाफ नाराजगी जताई।

अभाविप के प्रांत मंत्री दिनेश यादव ने कहा कि करोड़ों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन लगातार सामने आ रही अनियमितताएं उनकी मेहनत और विश्वास दोनों को आहत कर रही हैं। गुंजन कुमार ने कहा कि नीट-यूजी जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में भ्रष्टाचार और पेपर लीक विद्यार्थियों के सपनों पर सीधा प्रहार है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमित शुक्ला ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियां शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रही हैं। उन्होंने मांग की कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की जवाबदेही तय की जाए और परीक्षा प्रक्रिया को तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाया जाए। प्रान्त सहमंत्री मयंक पासवान ने कहा कि विद्यार्थी परिषद छात्रहित और शिक्षा की गरिमा की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।

स्टॉक रजिस्टर में गड़बड़ी पर जिलाधिकारी के आदेश पर लिखा गया गैस एजेंसी के खिलाफ मुकदमा

बाराबंकी।
जिले में गैस एजेंसी की जांच के दौरान घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के स्टॉक में भारी गड़बड़ी मिलने के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना कर मुकदमा दर्ज कराया है। जिला पूर्ति अधिकारी राकेश तिवारी ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि ऑयल कंपनी और आपूर्ति निरीक्षक की संयुक्त जांच में स्टॉक रजिस्टर और गोदाम में मौजूद गैस सिलेंडरों की संख्या में बड़ा अंतर पाया गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश और अनुमति के बाद रामनगर स्थित लोधेश्वर इंडेन गैस एजेंसी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (एउ अू३) की धारा 3/7 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाना कोतवाली रामनगर में तहरीर दी गई है।

ज्ञात हो कि यह विवाद मंगलवार से चल रहा है जिस पर आज बुधवार को जिलाधिकारी के आदेश पर कार्रवाई की गई है। तहसील रामनगर क्षेत्र में कल सुबह मंगलवार को भतीजी की शादी के लिए एलपीजी सिलेंडर दिलाने पहुंचे एक फरियादी को एसडीएम ने जेल भेजने की धमकी देते हुए पुलिस को फोन करके थाने में भेज दिया। इस घटना के बाद तहसील परिसर में विवाद की स्थिति बन गई।

बताया गया कि तहसील रामनगर क्षेत्र के ग्राम बढ़नपुरवा निवासी शिवमोहन ने बताया कि उनकी भतीजी अनीता की शादी बुधवार 13 मई को है और घर में बारात आनी है। शादी की तैयारियों के लिए उन्हें गैस सिलेंडर की तत्काल आवश्यकता थी। उन्होंने एक सप्ताह पहले श्री लोधेश्वर इंडियन गैस एजेंसी, केसरीपुर में सिलेंडर की बुकिंग कराई थी और उन्हें डीएसी (ऊअउ) नंबर भी जारी हो चुका था। इसके बावजूद उन्हें सिलेंडर उपलब्ध नहीं हुआ।

बताया कि वह कई दिनों से गैस एजेंसी के चक्कर लगा रहा था। इसके बावजूद हर बार उन्हें टाल दिया जाता था। कल सुबह भी सिलेंडर न मिलने पर वह अपनी शिकायत लेकर रामनगर तहसील पहुंचा था।

परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि जब शिवमोहन ने तहसील परिसर में एसडीएम अनिल तिवारी से अपनी समस्या बताने की कोशिश की, तो इसी दौरान विवाद की स्थिति बन गई। शिवमोहन का आरोप है कि एसडीएम ने उनकी समस्या सुनने के बजाय उन पर नाराजगी व्यक्त की और पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए।

जौनपुर से हज यात्रियों का जत्था रवाना, भावुक माहौल में दी गई विदाई

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में हज की अदायगी के लिए जौनपुर से हज यात्रियों के रवाना होने का सिलसिला अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसी क्रम में बुधवार को शहर के रिजवी खां मोहल्ला से अबुल कैस अपनी पत्नी सहित अन्य हज यात्रियों के साथ दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए, जहां से उनका जत्था हज यात्रा के लिए उड़ान भरेगा।हज यात्रियों की रवानगी के दौरान क्षेत्र में भावुक माहौल देखने को मिला। सैकड़ों की संख्या में मौजूद लोगों ने नारे बुलंद कर हाजियों को मुबारकबाद दी और मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ करने की अपील की। परिजनों और शुभचिंतकों ने गले मिलकर हाजियों से दुआएं मांगीं।इस मौके पर मरकजी सीरत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने बताया कि जौनपुर से इस वर्ष कुल 68 लोग अलग-अलग दिनों में दयार-ए-हरम के लिए रवाना हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग निजी कंपनियों के माध्यम से भी हज यात्रा पर जा रहे हैं।विदाई कार्यक्रम में मोहम्मद आलम सोनू, खुर्रम, मिस्बाह, बेलाल खान, अबुल सैफ खान, मेराज अहमद समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने हज यात्रियों की सलामती और हज के सफल सफर के लिए दुआ की।

दंबगों ने प्लाट की दीवार करा रहे कारोबारी के साथ मारपीट कर दी जान से मारने धमकी

मुरादाबाद।
मुरादाबाद महानगर के थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के अंतर्गत दंबगों ने प्लाट की दीवार करा रहे कारोबारी के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। मामले मे पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पीड़ित कारोबारी की तहरीर पर बुधवार को थाना सिविल लाइन पुलिस ने 2 नामजद समेत 22 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के दीन दयाल नगर निवासी कारोबारी रजनीश भाटिया ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी साची भाटिया के नाम पर 153 वर्ग गज प्लॉट का सौदा सिविल लाइंस के भीमाठेर निवासी मोहम्मद अनस और सलीम से सौदा तय किया था। 12 मई की सुबह करीब आठ बजे वह अपने प्लॉट की दीवार करा रहे थे।

अतिक्रमण के नाम पर हंगामा करना पड़ेगा महंगा, प्रवर्तन दल में हुई महिलाओं की तैनाती

मुरादाबाद।
अतिक्रमण के नाम पर हंगामा या फिर विरोध प्रदर्शन करना महंगा पड़ सकता है। नगर निगम के प्रवर्तन दल में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की तैनाती की जा चुकी है। प्रवर्तन दल में शामिल की गई महिला कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निगम अधिकारियों के मुताबिक महिलाओं की तैनाती से न सिर्फ कार्रवाई में तेजी आएगी, बल्कि टीम में शामिल लोगों का व्यवहार संवेदनशील होगा।

नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बुधवार को बताया कि पहले चरण में आधा दर्जन महिलाओं की तैनाती की गई है। शेष छह महिलाएं भी इसी माह ज्वाइन कर लेंगी। महिलाओं की तैनाती से प्रवर्तन दल में संख्या बढ़कर 40 तक पहुंच जाएगी। प्रमुख बाजारों, मुख्य सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अभियान के दौरान महिलाओं से जुड़े मामलों में असहज स्थिति बन जाती है। इसी को देखते हुए 12 महिलाओं की तैनाती का निर्णय लिया गया था।

प्रवर्तन दल में शामिल की गई महिला कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे वह कानून व्यवस्था, संवाद और कार्रवाई, तीनों स्तर पर प्रभावी ढंग से काम कर सकें। आउट सोर्सिंग के जरिए सभी महिलाओं की तैनाती की गई है।

नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के मुताबिक महिलाओं की तैनाती से शहर में कानून व्यवस्था और मजबूत होगी।

मोबाइल चार्जिंग लगाते समय किशोरी की करंट लगने से मौत

कानपुर।
चौबेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को मोबाइल फोन को चार्जिंग लगाते समय एक सत्रह वर्षीय किशोरी की करंट लगने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

इंदलपुर जुगराज गांव निवासी रामचंद्र की बेटी अंशिका नींद से उठी तो उसका मोबाइल फोन बंद मिला।

मोबाइल चार्ज करने के लिए उसने बिजली बोर्ड में चार्जर लगाने की कोशिश की। इसी दौरान उसे तेज करंट लग गया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। कमरे से तेज आवाज आने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो अंशिका अचेत अवस्था में पड़ी थी।

आंधी-बारिश में आम का पेड़ गिरा, छात्र की मौत

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में बुधवार शाम आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं। पड़री थाना क्षेत्र के छितमपट्टी गांव के भगदना मौजा में आम का पेड़ गिरने से 16 वर्षीय छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

भगदना मौजा निवासी अक्षय बिंद (16) पुत्र दुलार बिंद घर के सामने बगीचे में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई।

जौनपुर में अधिवक्ता अंबे प्रसाद पांडेय पर जानलेवा हमला, लोहे की रॉड से मारकर किया घायल

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता अंबे प्रसाद पांडेय पर गुरुवार सुबह कोर्ट जाते समय अज्ञात बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने लोहे की रॉड से सिर पर वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में वकील दीवानी न्यायालय जौनपुर से लाइन बाजार थाना पहुंच गए। अधिवक्ता अंबे प्रसाद पांडेय गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे अपने भारती नगर गंगा पट्टी स्थित आवास से बाइक से दीवानी न्यायालय जा रहे थे। इसी दौरान लाइन बाजार थाना क्षेत्र के इंग्लिश क्लब के पास पहले से घात लगाए तीन अज्ञात युवकों ने उनकी मोटरसाइकिल रोक ली। आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी और लोहे की रॉड से उनके सिर के पीछे जोरदार हमला कर दिया।हमला इतना गंभीर था कि उनका सिर फट गया और वे मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पीली कोठी की तरफ फरार हो गए।

आसपास मौजूद लोगों और अन्य अधिवक्ताओं की मदद से घायल अधिवक्ता को तत्काल लाइन बाजार थाने लाया गया, जहां उन्होंने पुलिस को तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेजा।घटना की जानकारी मिलते ही बार अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव ने मामले की कड़ी निंदा की।

उन्होंने थानाध्यक्ष लाइन बाजार से फोन पर वार्ता कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में अधिवक्ता थाने पहुंचे और कानून व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई।वहीं मामले में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष के के सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

घाटमपुर में अनियंत्रित डंपर पलटा, चौकीदार की दबकर मौत

कानपुर।
घाटमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को अनियंत्रित डंपर हाईवे पर पलट गया। हादसे में साइकिल सवार चौकीदार की दबकर कर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से डंपर को उठाकर शव को बाहर निकालने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना के बाद हाईवे पर करीब तीन घंटे यातायात भी प्रभावित रहा।

हादसा जहांगीराबाद क्षेत्र में हुआ। बरनाव गांव निवासी हरिश्चंद्र (50) घाटमपुर थाने में चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। आज सुबह वह ड्यूटी समाप्त कर साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचे, तभी तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान हरिश्चंद्र डंपर के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। नेशनल हाईवे टीम की मदद से क्रेन द्वारा डंपर को हटाकर चौकीदार के शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

घटना के बाद हाईवे पर करीब तीन घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

घाटमपुर थाना प्रभारी मनोज सिंह भदोरिया ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर राजगढ़ थाना क्षेत्र के कोन भरूहवा गांव निवासी एक युवक की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के दौरान गुरूवार सुबह मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोन भरूहवा गांव निवासी विवेक कुमार (24) बुधवार को अपने चचेरे भाई अभिषेक और रिश्तेदार बिमलेश के साथ बाइक से चुनार क्षेत्र स्थित रिश्तेदारी में गया था। बताया गया कि अदलपुरा के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे विवेक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना पर पहुंचे परिजन उसे इलाज के लिए वाराणसी के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बुधवार रात परिजन उसे घर वापस ले आए। गुरुवार सुबह अचानक हालत बिगड़ने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

मृतक विवेक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

ब्राह्मणों पर कथित विवादित बयान को लेकर सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता के खिलाफ नोएडा में भी मुकदमा दर्ज

नोएडा।
ब्राह्मणों पर कथित विवादित बयान देने के आरोप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इस विवाद को लेकर राजकुमार भाटी के खिलाफ नोएडा के थाना सेक्टर 24 में भी एफआईआर दर्ज की गई है।

थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बुधवार को बताया कि सेक्टर-53 स्थित गिझौड़ गांव निवासी सुशील पंडित ने जातिगत टिप्पणी करने, लोक शांतिभंग करने और आईटी ऐक्ट के तहत सेक्टर-24 थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। शिकायतकर्ता और समाज के अन्य लोगों ने कहा कि राजकुमार भाटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो पांच मई का बताया जा रहा है। राजकुमार भाटी ने पांच मई को दिल्ली के जवाहर भवन में 'जाति और साम्प्रदायिकता के विषाणु' नाम की एक पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में भाषण दिया था। इसी दौरान उन पर ब्राह्मणों पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप है। इस मामले में दादरी के ब्रह्मपुरी में कल ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें सपा नेता के बयान पर आक्रोश व्यक्त किया गया था। साथ ही शुक्रवार को शाम चार बजे भगवान परशुराम धर्मशाला में महापंचायत बुलाने का फैसला लिया गया।

ब्राह्मण नेता सुशील पंडित ने कहा कि समाज को बांटने और एक वर्ग विशेष को अपमानित करने वाली राजनीति ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है। इससे समाज के लोगों में आक्रोश है। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि मंगलवार को विवाद बढ़ने पर राजकुमार भाटी द्वारा समाज के लोगों से माफी भी मांगी जा चुकी है, लेकिन गाजियाबाद के बाद नोएडा में दर्ज हुई एफआईआर से विवाद अभी थमने वाला नहीं दिख रहा है।

मंगलवार को गाजियाबाद जनपद के कविनगर थाने में भी राजकुमार भाटी के खिलाफ केस दर्ज किया था। राजनगर सेक्टर-दस में रहने वाले भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा ने पुलिस आयुक्त को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि सपा के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्राह्मण समाज के खिलाफ अमर्यादित और अशोभनीय टिप्पणी की थी।

लाइसेंस राज होगा खत्म, सरकार लाएगी अगली पीढ़ी के बड़े सुधार- नीति आयोग

अनावश्यक परमिट व निरीक्षण होंगे खत्म, 42,000 से अधिक अनुपालन समाप्त

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के एक सदस्य ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन में घोषणा की कि सरकार लाइसेंस राज के नए अवतारों को समाप्त करने और व्यापार सुगमता के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1991 के सुधारों ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म किया, लेकिन लाइसेंस राज को नहीं। आज किसी भी कारोबार के लिए आवश्यक हर अनावश्यक परमिट लाइसेंस राज का ही एक रूप है। सरकार अब जब तक मना न हो तब तक अनुमति है के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगी। सुधारों का उद्देश्य नियामक हस्तक्षेप से व्यवस्था को मुक्त करना है। इसके तहत, लाइसेंसिंग की आवश्यकता केवल राष्ट्रीय सुरक्षा या गंभीर स्वास्थ्य/पर्यावरण खतरों वाली गतिविधियों के लिए होनी चाहिए, और स्वचालित स्वतः पंजीकरण सामान्य नियम होगा। उन्होंने यह भी सुझाया कि आवश्यक लाइसेंस की वैधता स्थायी या लंबी अवधि की होनी चाहिए और बार-बार नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के भुगतान संतुलन पर बढ़ा दबाव

तेल कंपनियों के भारी नुकसान और पर्याप्त ईंधन भंडार पर दिया जोर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक वास्तविक दबाव परीक्षण है, जिसका भुगतान संतुलन, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर सीधा असर पड़ रहा है। यह बात वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कही। उन्होंने इस स्थिति को अस्थायी नहीं बल्कि ढांचागत बताया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नागेश्वरन ने कहा कि चालू खाते का विश्वसनीय प्रबंधन, वित्तपोषण और विनिमय दर में गिरावट रोकना वित्त वर्ष 2026-27 की प्रमुख आर्थिक अनिवार्यताएं होंगी। उन्होंने बताया कि यह संकट दुनिया के अहम ऊर्जा गलियारों में लगातार आ रही रुकावट का नतीजा है। अधिकतर अर्थशास्त्रियों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 फीसदी से 2.4 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालांकि, भारत की मजबूत राजकोषीय नीति और बुनियादी ढांचा निवेश मौजूदा संघर्ष से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। एक अलग सत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया कि ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी भी बढ़ोतरी का फैसला चुनावों से जुड़ा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को प्रतिदिन 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे इस तिमाही में उनकी अंडर-रिकवरी 2 लाख करोड़ रुपये और नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह नुकसान पिछले साल के पूरे मुनाफे को खत्म कर सकता है। हालांकि, पुरी ने आश्वस्त किया कि भारत के पास पर्याप्त ईंधन भंडार है, जिसमें 60 दिनों का कच्चा तेल, 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों की एलपीजी शामिल है। देश में एलपीजी उत्पादन भी संघर्ष-पूर्व स्तर से बढ़कर 54,000 टन प्रतिदिन हो गया है।

कोल इंडिया करेगी वैश्विक खनिज का विस्तार

सरकारी कंपनी महत्वपूर्ण खनिजों की पूरी मूल्य श्रृंखला संभालेगी

नई दिल्ली ।

सरकारी खनन दिग्गज कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अपने पारंपरिक कोयला कारोबार से आगे बढ़कर वैश्विक महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक बड़ी तैयारी कर रही है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में चिली और सिंगापुर में सहायक इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसका लक्ष्य लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे रणनीतिक खनिजों में अवसरों की तलाश करना है। सीआईएल कध्कि अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने चिली में एक लीथियम ब्लॉक की पहचान की है और वह चिली सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रही है। मंजूरी मिलने पर, अगले 2-3 वर्षों में वहां खनन कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही इस सप्ताह की शुरुआत से ही जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बाजार में बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 74,134.48 का निचला और 75,191.57 का ऊपरी स्तर छुआ जिससे उतार-चढ़ाव का अंदाज होता है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.05 अंक ऊपर आकर 23,412.60 अंक पर बंद हुआ। बाजार में मेटल, ऑयल एंड गैस सेक्टर में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी और ऑटो शेयर दबाव में रहे।

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, इटरनल, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस और मारुति सहित 16 शेयर नीचे आये जबकि एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.37 फीसदी तेजी

आई। इसके अलावा टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, बीईएल, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, इंडिगो, आईटीसी और ट्रेंट के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी से शुरुआत हुई। सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 74,586 के स्तर पर और निफ्टी 23,468 के आसपास कारोबार करते दिखे।

भारत में डीएपी खाद 40 फीसदी हुई महंगी, किसानों पर बढ़ा बोझ

उर्वरक की कीमतों में भारी उछाल, सरकार पर सब्सिडी बढ़ाने का दबाव

मुंबई ।

मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय कृषि पर दिखने लगा है। देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण उर्वरक डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की खरीद लगभग 40 प्रतिशत अधिक कीमत पर करनी पड़ रही है, जिससे मानसून से पहले किसानों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। फरवरी में करीब 667 डॉलर प्रति टन मिलने वाला डीएपी अब भारत को 930 से 935 डॉलर प्रति टन की दर से खरीदना पड़ रहा है। इंडियन पोटाश लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए कुल 13 लाख टन से अधिक डीएपी खरीदने का समझौता किया है। इस भारी मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित आपूर्ति बाधा है, क्योंकि फॉस्फेट उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले सल्फर की बड़ी आपूर्ति इसी क्षेत्र से होती है। उर्वरकों की बढ़ती कीमत सीधे खेती की लागत बढ़ाएगी। यदि सरकार सब्सिडी में पर्याप्त वृद्धि नहीं करती है, तो धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को बड़ा झटका लगेगा। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया भी दोगुनी कीमत पर खरीदा है। यदि उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में आटा, चावल और दाल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे आम उपभोक्ता भी प्रभावित होगा। हालांकि, अंतिम प्रभाव सरकारी सब्सिडी और वैश्विक हालात पर निर्भर करेगा।

एआई की चुनौतियों के बीच आईटी कंपनियों का शेयरधारकों को रिकॉर्ड भुगतान

वित्त वर्ष 2026 में 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और पुनर्खरीद की घोषणा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इटेलिजेंस (एआई) के विकास से पारंपरिक कारोबार को संभावित खतरे और धीमी मुनाफा वृद्धि के बावजूद, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग अपने शेयरधारकों पर जमकर मेहरबान हुआ है। देश की शीर्ष 16 सूचीबद्ध आईटी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और शेयर पुनर्खरीद की घोषणा की है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 के कुल भुगतान से 36.3 फीसदी अधिक है, जो पिछले 9 सालों में सबसे तेज वृद्धि दर्शाता है। यह भारी-भरकम भुगतान मुख्य रूप से शेयर पुनर्खरीद के कारण संभव हुआ है, जिसमें इन्फोसिस और विप्रो की भूमिका अहम रही है। इन्फोसिस ने नवंबर में 18,000 करोड़ रुपये की अपनी सबसे बड़ी पुनर्खरीद पूरी की, जबकि विप्रो ने 15,000 करोड़ रुपये की पुनर्खरीद की घोषणा की है। कुल मिलाकर, आईटी उद्योग ने वित्त वर्ष 2026 में पुनर्खरीद पर 33,895 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की है, जो वित्त वर्ष 2024 के बाद दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके विपरीत, इक्विटी लाभांश भुगतान में केवल 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई है। यह रिकॉर्ड भुगतान ऐसे समय में आया है जब वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों का शुद्ध मुनाफा केवल 3.5 फीसदी बढ़ा, जो बीते आठ साल में सबसे धीमी वृद्धि है। हालांकि, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने डेटा सेंटर और एआई कारोबार में निवेश की योजना के तहत अपने लाभांश भुगतान में 12.7 फीसदी की कटौती की है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि कंपनियां भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहते हुए भी शेयरधारकों को पुरस्कृत करने को प्राथमिकता दे रही हैं।

ब्लैक बॉक्स ने 2एस इनोवाकोएस का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

एस्सार ग्रुप की आईटी कंपनी ब्लैक बॉक्स ने बुधवार को ब्राजील स्थित सिस्टम इंटीग्रेटर 2एस इनोवाकोएस टेक्नोलॉजियास एसए के अधिग्रहण को पूरा करने की घोषणा की। कंपनी को उम्मीद है कि इस अधिग्रहण से उसके वार्षिक राजस्व में 500 करोड़ रुपए का इजाफा होगा, जो वैश्विक विकास और लातिन अमेरिकी बाजार में उसकी स्थिति को मजबूत करेगा। ब्लैक बॉक्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस सौदे को कंपनी की वैश्विक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिग्रहण उच्च-विकास वाले लातिन अमेरिकी बाजार में ब्लैक बॉक्स की रणनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि इस सौदे से कंपनी को करीब 500 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व हासिल होने की उम्मीद है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति में भी सुधार आएगा। यह विस्तार ब्लैक बॉक्स को उभरते बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद करेगा।

सोने पर शुल्क वृद्धि से तस्करी बढ़ेगी, निर्यात घटेगा जीजेईपीसी

आयात शुल्क बढ़ने पर उद्योग ने जताई आपत्ति, कहा- एमएसएमई पर पड़ेगा गंभीर असर

नई दिल्ली ।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार द्वारा सोने, चांदी और प्लेटिनम पर आयात शुल्क में की गई हालिया वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। परिषद ने बुधवार को कहा कि यह कदम न केवल कीमती धातुओं की कीमतें बढ़ाएगा, बल्कि तस्करी को बढ़ावा देगा और देश के निर्यात कारोबार के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को गंभीर नकदी संकट में धकेल देगा। जीजेईपीसी ने सरकार से इस मुद्दे पर उद्योग के हितधारकों के साथ तत्काल बातचीत कर एक स्थायी समाधान खोजने की अपील की है। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, जबकि प्लेटिनम पर यह कर 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गया है।

जीजेईपीसी ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अतीत में यह देखा गया है कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है; इसके बजाय यह केवल कीमतें बढ़ाता है। परिषद ने इस बात पर जोर दिया कि हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में कम नहीं हुआ है। जीजेईपीसी ने आशंका जताई है कि उच्च शुल्क से तस्करी को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात की लागत में वृद्धि होगी। परिषद के अनुसार, निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना लेने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है, जिससे उनकी कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस निर्णय का सबसे गंभीर असर एमएसएमई विनिर्माताओं पर पड़ेगा, जो परिषद के 80 प्रतिशत सदस्य हैं और पहले से ही गंभीर नकदी संकट का सामना कर रहे हैं। सरकार के इस फैसले पर परिषद ने प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और विनिर्माताओं के साथ बैठकें की हैं। जीजेईपीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सोने के आयात को नियंत्रित करने के

वैकल्पिक उपाय भी सुझाए हैं। परिषद ने सरकार से आग्रह किया है कि वह राजकोषीय लक्ष्यों को निर्यात वृद्धि के साथ संतुलित करने वाले स्थायी समाधानों पर विचार-विमर्श के लिए उद्योग के साथ बातचीत करे, ताकि यह महत्वपूर्ण क्षेत्र प्रभावित न हो।

सोने-चांदी पर बढ़ाई सरकार ने कस्टम ड्यूटी

सोने-चांदी के आभूषण 15 फीसदी महंगे

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने सोने-चांदी और ज्वेलरी से जुड़े आयातित सामानों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, सोने-चांदी से संबंधित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क 4.35 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, आभूषण निर्माण में इस्तेमाल होने वाले छोटे पार्ट्स और फाइंडिंग्स पर 5 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। सरकार के इस फैसले के बाद विदेशों से आने वाला सोना-चांदी और ज्वेलरी का कच्चा माल महंगा हो जाएगा। इसका असर बाजार में आभूषणों की कीमतों पर भी देखने को मिल सकता है। व्यापारियों के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी के आभूषण करीब 15 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं।

सरकारी बैंकों का वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ का मुनाफा

एसबीआई समेत प्रमुख बैंकों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, एनपीए में भी ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन 12 सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.12 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार चौथा वित्त वर्ष है जब सरकारी बैंकों ने मुनाफा कमाकर अपनी वित्तीय स्थिरता और क्षमता का प्रदर्शन किया है।

वित्त मंत्रालय ने इस उपलब्धि को बेहतर कारोबारी विस्तार और सुधरी हुई परिसंपत्ति गुणवत्ता का परिणाम बताया है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, सरकारी बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें अब और भी बढ़ोतरी हुई है। यह लाभप्रदता का सिलसिला वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये के लाभ के साथ शुरू हुआ था और लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के सबसे बड़े बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), ने वित्त वर्ष 2026 में अभी तक का सर्वाधिक शुद्ध सालाना लाभ 80,032 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा ने 20,021 करोड़ रुपये और पंजाब नेशनल बैंक ने 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। मंत्रालय ने बताया कि यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन निरंतर व्यावसायिक वृद्धि, बेहतर संपत्ति गुणवत्ता, रिकॉर्ड लाभप्रदता और मजबूत पूंजी स्थिति का प्रतीक है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी से बढ़ती ऋण जरूरतों को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मजबूती प्रदर्शित होती है। देश के 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

वित्त मंत्रालय ने बयान में बताया कि सरकारी बैंक लगातार चौथे साल लाभप्रदता में रहे। सरकारी बैंकों की लाभप्रदता सालाना आधार 11.12 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में इनकी लाभप्रदता 1.78 लाख करोड़ रुपये थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 23 में 1.04 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

पाम तेल की अगुवाई में भारत का वनस्पति तेल आयात 13 फीसदी उछला

तेल वर्ष की पहली छमाही में 79.4 लाख टन पहुंचा आयात

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल उपभोक्ता भारत का वनस्पति तेल आयात तेल वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (नवंबर-अप्रैल) में 13 प्रतिशत बढ़कर 79.4 लाख टन हो गया है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पाम तेल की खेप में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 70.4 लाख टन से अधिक है। इस अवधि में आयात का कुल मूल्य सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 87,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 73,000 करोड़ रुपये था। कुल आयात में 78.2 लाख टन खाद्य तेल और 1.21 लाख टन गैर-खाद्य तेल शामिल है। एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम तेल का आयात लगभग दोगुना होकर 27.4 लाख टन से 39.7 लाख टन पर पहुंच गया। वहीं, सोया तेल और सूरजमुखी तेल जैसे नरम तेलों की खेप 41.3 लाख टन से घटकर 38.5 लाख टन रह गई। इंडोनेशिया और मलेशिया पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि अर्जेंटीना व ब्राजील सोया तेल तथा रूस व यूक्रेन सूरजमुखी तेल के मुख्य स्रोत बने हुए हैं। पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में 14 से 22 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये में 9.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है, जिसे आयातकों और रिफाइनरों के लिए चिंता का विषय बताया गया है। इसी अवधि में नेपाल ने भी भारत को लगभग 2.17 लाख टन परिष्कृत तेल, मुख्य रूप से सोया तेल, निर्यात किया। मई 2026 तक कुल वनस्पति तेल भंडार बढ़कर 21.2 लाख टन हो गया है, जो तेल वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर आपूर्ति का संकेत देता है।

आधार नियमों में बड़ा बदलाव, अब दस्तावेज़ों की लंबी सूची मान्य, सत्यापन सख्त

यूआईडीएआई ने नए संशोधन विनियम, 2026 लागू किए

नई दिल्ली।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इनका उद्देश्य आधार बनवाने और अपडेट करने की प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित, आधुनिक और पारदर्शी बनाना है। नए नियमों के तहत, आधार के लिए स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची का व्यापक विस्तार किया गया है। अब ई-वोटर आईडी, ई-राशन कार्ड, बैंक पासबुक, मैरिज सर्टिफिकेट, यूटिलिटी बिल और रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट जैसे कई अन्य दस्तावेज़ भी मान्य होंगे। इससे उन लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी जिन्हें पहले सीमित दस्तावेज़ों के कारण परेशानी होती थी। हालांकि, दस्तावेजों की जांच अब पहले से अधिक सख्ती से की जाएगी। केवल वैध, एक्सपायर न हुए और आवेदक के नाम पर दर्ज दस्तावेज़ ही स्वीकार्य होंगे। पहचान प्रमाण में नाम और फोटो दोनों का होना अनिवार्य है। यदि परिवार आधारित आवेदन किया जाता है, तो परिवार प्रमुख और आवेदक दोनों का नाम संबंध प्रमाण पत्र में होना आवश्यक होगा।

बच्चों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है, साथ ही माता-पिता या अभिभावक के दस्तावेज भी देने होंगे। वहीं, 5 से 18 साल तक के बच्चों के लिए परिवार प्रमुख के जरिए आधार बनवाने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर दस्तावेज आधारित आवेदन भी स्वीकार किया जाएगा।

रेलवन एप का एआई फीचर अब बताएगा, वेटिंग टिकट कन्फर्म होगी या नहीं

एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी सभी रेलवे सेवाएं, अनरिजर्व्ड टिकट पर मिलेगी 3 फीसदी की छूट

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे में कन्फर्म सीट की बढ़ती किल्लत और यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेल मंत्रालय ने एक नया डिजिटल समाधान पेश किया है। रेलवन नामक यह मोबाइल ऐप यात्रियों को न सिर्फ एक ही प्लेटफॉर्म पर ढेरों सुविधाएं देगा, बल्कि इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फीचर से अब यह भी जानना संभव होगा कि आपकी वेटिंग लिस्ट टिकट कन्फर्म होने की कितनी संभावना है। यह अभिनव सुविधा यात्रियों को टिकट बुक करने से पहले ही वेटिंग लिस्ट टिकट के कन्फर्म होने का अनुमान देती है। शुरुआत में 53 फीसदी की सटीकता के साथ शुरू हुआ यह एआई-आधारित सिस्टम अब 94 फीसदी तक की विश्वसनीयता के साथ काम करता है, जिससे यात्री सोच-समझकर अपनी यात्रा योजना बना सकते हैं। यह एआई पुराने डेटा और बुकिंग पैटर्न का विश्लेषण कर सटीक भविष्यवाणी करता है। रेलवन ऐप सिर्फ आरक्षण टिकटों के लिए ही नहीं, बल्कि एक ऑल-इन-वन समाधान के तौर पर काम करेगा। इसमें जनरल/अनरिजर्व्ड टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने की सुविधा, ट्रेन का लाइव लोकेशन ट्रैक करना और रेलवे हेल्पलाइन पर सीधे शिकायत दर्ज करना जैसी सेवाएं शामिल हैं। पहले इन सुविधाओं के लिए अलग-अलग ऐप्स का इस्तेमाल करना पड़ता था। ऐप के जरिए अनरिजर्व्ड टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 फीसदी की छूट भी मिल रही है, जो डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देगा।

मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनो क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा।

टीम का अब तक का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उसे शुरुआत में लगातार जीत मिली पर फिर टीम एकाएक हारने लगी।

टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां नजर नहीं आई पर बल्लेबाजी के असफल होने ही टीम हारने लगी। दिल्ली के खिलाफ मैच में टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर अंतिम पांच ओवरों में तेज गेंदबाज अपनी लेंथ बरकरार नहीं रख पाये। अर्शदीप सिंह सहित अन्य गेंदबाजों का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा है। जहां पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया। वहीं लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बेन ड्वार्शियस सहित बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा पर ये सभी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं।

इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी खराब रही है। वहीं अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को निरंतरता रखते हुए लंबी पारी खेलनी होगी जिससे वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य के साथ बड़ी साझेदार कर सकें। टीम ने पिछले मैचों में काफी कैच

छोड़े हैं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है।

वहीं दूसरे और मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने उतरेंगे। ऐसे में वह बेहतर प्रदर्शन कर पंजाब के प्लेऑफ का समीकरण बिगाड़ सकती है। जिसको ध्यान में रखते हुए पंजाब को सतर्क रहना होगा।

मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे और इस मैच में उनके उतरने की संभावना है। वहीं आंकड़ो पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक 34 मैच हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 17 जबकि पंजाब ने 16 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रियान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डीकॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, एएम ग़ज़नफ़र, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाउद्दीन इज़हार, रॉबिन मिंज।

थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे श्रीकांत और सिंधु

बैंकाक (एजेंसी)। भारत के किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधु यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से सीधे सेटों में हराया। श्रीकांत ने अपनी आक्रामक शैली से लो कीन यू को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा। वहीं महिला एकल में, भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। सिंधु ने अपने स्मैश और तेज रिटर्न से विरोधी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। अब उनका मुकाबला डेनमार्क की अमेली शूल्ज से होगा।

वहीं युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13-21, 21-17, 4-21 से हार का सामना करना पड़ा है। इसी तरह, तरुण मन्नेपल्ली भी जापान के कोकी वातानाबे से 12-21, 16-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला एकल में भी भारत की उन्नति हुड्डा को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने 11-21, 21-17, 21-16 से हराया। भारत के ही अनमोल खरब का मुकाबला चीन के चेन यू फेई के खिलाफ 19-21, 21-13, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा है।

सुदर्शन ने लगातार तीसरे आईपीएल सत्र में 500 से अधिक रन बनाये

-विराट के रिकार्ड की बराबरी पर आये

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। सुदर्शन आईपीएल सत्र में लगातार तीसरी बार 500 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही सुदर्शन ने आईपीएल में विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। विराट ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीबी) की ओर से लगातार तीन सत्र में 500 से अधिक रन बनाये हैं।

सुदर्शन ने 2024 और 2025 के बाद अब 2026 में यह शानदार कारनामा किया है। है। इसी के साथ ही वह विराट के साथ तीसरे पायदान पर संयुक्त रूप से आ गये हैं। विराट ने साल 2023, 2024 और 2025 में यह रिकार्ड बनाया था। वहीं वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने साल 2011, 2012, 2013 और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2019, 2020 और 2021 में भी लगातार तीन बार 500 से अधिक रन बनाये हैं।

हालांकि, आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर के नाम दर्ज है, जिन्होंने छह बार यह उपलब्धि हासिल की है।

इस सत्र में साई सुदर्शन का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 12 मैचों में 41.75 की शानदार औसत से कुल 501 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी दूसरे पायदान पर हैं, जहां सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 12 मैचों में 50.80 के औसत से 508 रन बनाकर उनसे थोड़ा आगे हैं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में 13वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 42.11 के औसत से 379 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव : द्रविड़

डबलिन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब

काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं।

द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये। उन्होंने खेल में संतुलन के महत्व पर बल दिया और कहा, हम नहीं चाहते कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। खेल तभी रोमांचक होगा जब दोनो के बीच संतुलन रहेगा।

बीसीसीआई ने कमिंस पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में धीमी ओवर गति के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर जुर्माना लगाया है। कमिंस पर बोर्ड ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कमिंस पर ये जुर्माना मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। बोर्ड ने इसे आईपीएल नियमों का उल्लंघन करार दिया है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, यदि क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने 20 ओवर पूरे नहीं कर पाती है, तो उसे धीमी ओवर गति का दोषी माना जाता है। आईपीएल ने भी कमिंस पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि धीमी ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का यह पहला अपराध था, जिसके कारण कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में सनराइजर्स की पहली गलती थी। आईपीएल में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना कप्तानों पर लगाया जाता है जिससे खेल की गति बनी रहे। इस सत्र में अबतक दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के अक्षर पटेल पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के श्रेयस अय्यर और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अजिंक्य रहाणे पर भी जुर्माना लगा है।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता। मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने इस दौरान जबरदस्त खेल दिखाया। हमने मैच से पहले अपनी गेंदबाजी रणनीति को लेकर एक स्पष्ट योजना बनाई थी, जिसपर अमल करने में हम सफल रहे। विशेष रूप से देखा जाये तो हमारी गेंदबाजी बेहतीन रही। उन्होंने बल्लेबाजों साई सुदर्शन 61 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतकों की भी प्रशंसा की है। शुभमन के अनुसार इन शानदार पारियों से ही टीम 170 रन के अच्छे स्कोर तक पहुंची। साथ ही कहा, उनके बिना, 170 तक पहुंचना वाकई मुश्किल होता। अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने के बारे में कप्तान ने बताया कि यह लगातार अच्छे प्रदर्शन से संभव हुआ है। अपनी टीम की पहचान को लेकर उन्होंने कहा, हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का क्रिकेट खेलती हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो हालातों का आंकलन करते हुए खेले। होल्डर के योगदान को लेकर उन्होंने कहा, वह बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। जिस लेंथ पर वह गेंद फेंकते हैं, वह हमारे लिए बेहतरीन साबित होती है। होल्डर ने लगभग हर मैच में चार ओवर की गेंदबाजी की है, जो इस मौसम में बिल्कुल भी आसान नहीं है, लेकिन वह टीम के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन कर

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो

भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं।

हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है। मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है। जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए। लेकिन इस समय मेरी राय है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपनी पूरी कोशिश की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाला यह मैच मुंबई इंडियंस के लिए अंक तालिका में केवल एक औपचारिकता है। मुंबई का लक्ष्य अब सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का अंत करना होगा, जिससे अगले सीजन के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके। दूसरी ओर, चार लगातार हार झेल चुकी सैम कुरेन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। पंजाब को अपनी स्थिति सुधारने और टूर्नामेंट में कुछ सकारात्मक हासिल करने के लिए जीत की सख्त जरूरत है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत ज्यादातर खिलाड़ियों को बल्लेबाज के रूप में रखा जाता है। जिससे उनको केवल बल्लेबाजी का ही अनुभव होता है जबकि खेल में सभी क्षेत्रों का अनुभव होना जरुरी है। इससे पहले भी कई दिग्गजों ने स नियम पर सवाल उठाये थे। अधिक लोगों का मानना है कि यह नियम मुख्य रूप से बल्लेबाजों को ही फायदा पहुंचा रहा है और खेल में संतुलन बिगाड़ रहा है। मांजरेकर ने कहा, मैं अब यह सोचने लगा हूं कि हमें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी बल्लेबाज का एक ही पक्ष सामने आता है ।वहीं एक क्रिकेटर केवल बल्लेबाजी नहीं क्योंकिं उसे फील्डिंग भी करनी होती है। मांजरेकर ने कहा कि खेल का असली दबाव और उसकी समझ मैदान पर फील्डिंग करने से ही आती है। उन्होंने कहा, अगर वह (वैभव) शानदार बल्लेबाज है, लेकिन फील्डिंग में कमजोर है, तो मैं देखना चाहूंगा कि विरोधी टीम उस कमजोरी का फायदा कैसे उठाती है। कैच छोड़ने का दबाव क्या होता है, यह हर खिलाड़ी को महसूस करना चाहिए। सिर्फ बल्लेबाजी करके आराम करना क्रिकेट के सबसे बड़े स्तर पर सही नहीं है। उनका मानना है कि यह नियम खिलाड़ियों को खेल के हर विभाग में अपने को परखने और सुधारने का मौका नहीं देता।

दक्षिण अफ्रीकी महिला तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल संन्यास से वापसी कर रहीं

जोहांसबर्ग । इंग्लैंड में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप महिला विश्वकप क्रिकेट से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल ने खेल में वापसी की घोषणा कर दी है। शबनम की वापसी से दक्षिण अफ्रीकी टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार शबनम ने दक्षिण अफ्रीका के निदेशक एनोक न्कवे और मुख्य कोच मंडला माशिम्बी के साथ बातचीत के बाद वापसी की बात कही है। कोच माशिम्बी ने कहा, सच कहूं तो, हमारी गेंदबाजी में इस्माइल जैसी बेहतरीन खिलाड़ी का होना बहुत अच्छा होगा। गौरतलब है कि शबनम इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को अपने ही धरती पर टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं उनके जाने के बाद से ही टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। टीम तभी से उनकी जैसी गेंदबाज को शामिल करना चाह रही थी पर सफल नहीं हो रही थी। माशिम्बी ने हाल के महीनों में माना था कि टीम के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के दौरे के बाद उन्होंने फिर से दोहराया था कि टीम की गेंदबाजी में और ज्यादा तेजी की जरूरत है। उन्होंने इशारों-इशारों में यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस्माइल अपने संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेंगी। उनकी यह उम्मीद अब एक वास्तविकता में बदल गई है।

अच्छे प्रदर्शन के बावजूद विदेशी कोच के लिये हॉकी इंडिया ने मुझे हटाया : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने विदेशी कोचों को तरजीह देने के हॉकी इंडिया के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जूनियर टीम के कोच के पद से उन्हें हटा दिया गया । सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाया गया क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है।

श्रीजेश ने 'एक्स'' पर लिखा, ''लगता है कि मेरा कोचिंग कैरियर डेढ साल के बाद ही खत्म हो गया है जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पोडियम पर रहे।' उन्होंने कहा, 'मैने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिये मुझे हटाया जा रहा है।' श्रीजेश ने कहा, 'हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी।'

भारत की जूनियर टीम के कोच के रूप में श्रीजेश का कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था और उन्होंने इस पद के लिए पुनः आवेदन किया था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के क्रेग फुल्टोन हैं जबकि महिला टीम के कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन हैं। श्रीजेश पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद अंडर 21 पुरूष टीम के मुख्य कोच बने थे जिनके कार्यकाल में टीम ने जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जूनियर विश्व कप और जोहोर कप में कांस्य पदक जीता था। श्रीजेश ने आगे लिखा, 'क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी का विकास नहीं कर सकते।'

उन्होंने कहा कि खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा था कि देश को उनके जैसे कोचों की जरूरत है लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा सिर्फ विदेशी कोचों पर है। उन्होंने कहा, 'सात मार्च 2026 को माननीय खेलमंत्री श्री मनसुख मांडविया के साथ एक मुलाकात में मुझे कहा गया था कि 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिये श्रीजेश हमें तुम्हारे जैसे कोचों की जरूरत है।' श्रीजेश ने कहा, 'लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा चारों टीमों के लिये भारतीय कोचों की बजाय विदेशी कोचों पर है।' उन्होंने इस पोस्ट में खेलमंत्री, पीएमओ, हॉकी इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की को टैग किया है।

टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे : पेगुला

खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व का बड़ा हिस्सा मिले

रोम । टेनिस जगत में खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। पेगुला खिलाड़ियों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। । उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं। पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाड़ियों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है।

बाइपास या एंजियोप्लास्टी

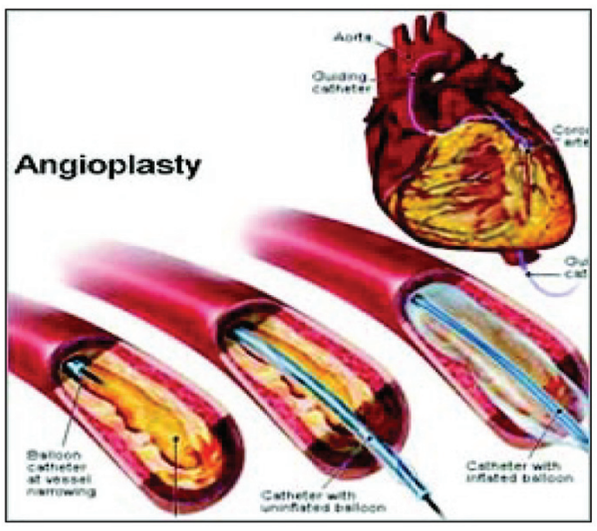

जब अवरोध दो या उससे अधिक आर्टरी में हो, आकार में बड़े हों, ब्लॉकेज आर्टरी के शुरूआती हिस्से में हो, आर्टरीज छोटी हों या मरीज डाइबिटीज से भी पीड़ित हो ,तो बाइपास ही बेहतर विकल्प होता है। क्या आप हृदय रोग से पीड़ित हैं। क्या आपको डॉक्टर ने बाइपास या एंजियोप्लास्टी कराने को कहा है। अलग-अलग विशेषज्ञ अपनी राय देते हैं। ऐसे में यह तय कर पाना मुश्किल होता है कि इलाज का कौनसा तरीका सही रहेगा। इसी तरह के सवालों का समाधान यहां करने का प्रयास किया जा रहा है।

एंजियोप्लास्टी

एंजियोप्लास्टी के अंतर्गत मरीज की अवरूद्ध कॉरोनरी आर्टरीज में कैथेटर के जरिए एक स्टेंट बैठाकर अवरोध को दूर कर दिया जाता है, जिससे रक्त का प्रवाह सामान्य होकर मरीज दुबारा सामान्य जीवन जीने लगता है। एंजियोप्लास्टी के बाद एक-दो दिन में मरीज घर वापस जा सकता है।

बाइपास सर्जरी

बाइपास सर्जरी में छाती में लगभग छह इंच लंबा चीरा लगाकर हृदय की सर्जरी की जाती है। अवरूद्ध आर्टरीज के समांतर एक दूसरी आर्टरी ग्राफ्ट कर दी जाती है और रक्त का प्रवाह अवरूद्ध आर्टरी के स्थान पर इस नई प्रत्यारोपित आर्टरी से होने लगता है। यह काफी पेचीदा सर्जरी है, कई घंटों तक चलती है और सर्जरी के बाद मरीज को लगभग सप्ताह भर हॉस्पिटल में रहना पड़ता है और उसके बाद महीने-डेढ़ महीने घर पर आराम करना पड़ता है। अमूमन लोग एंजियोप्लास्टी से जुड़ी सहजता और बाइपास को जटिल मान उससे भयभीत होकर, इसके फायदे-नुकसान को जाने बगैर एकतरफा निर्णय ले लेते हैं। मुंबई के लीलावती और नानावती हॉस्पिटल्स से जुड़े सर्जन डॉ. पवन कुमार बताते हैं, 'मरीज के लिए बाइपास सर्जरी या एंजियोप्लास्टी में क्या उचित है यह निर्णय लेने से पहले यह जानना जरूरी होता है कि कॉरोनरी आर्टरीज में अवरोध/ ब्लॉकेज कितने हैं, उनका आकार क्या है, मरीज डाइबिटीज जैसी किसी अन्य बीमारी से पीड़ित तो नहीं है वगैरह।'

किसी एक कॉरोनरी आर्टरी के अवरूद्ध होने की स्थिति में या फिर मरीज की उम्र सत्तर साल से अधिक हो, तो एंजियोप्लास्टी कराई जा सकती है। जब अवरोध दो या उससे अधिक आर्टरी में हो, आकार में बड़े हों, ब्लॉकेज आर्टरी के शुरूआती हिस्से में हो, आर्टरीज छोटी हों या मरीज डाइबिटीज से भी पीड़ित हो ,तो बाइपास सर्जरी के बजाय एंजियोप्लास्टी को ज्यादा सुरक्षित माना जाता था। मिनिमल इनवेजिव होने के कारण इसमें चीर-फाड़ नहीं होती थी, जिससे ब्लड ट्रांसफ्यूजन इत्यादि की आवश्यकता कम पड़ती थी। हार्ट सर्जरी के क्षेत्र में आई नई तकनीकी उपलब्धियों ने और एंजियोप्लास्टी को लेकर किए गए कुछ अध्ययनों ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है।' अमरीकी फेडरल हेल्थ विभाग द्वारा डाइबिटीज से पीड़ित हृदय रोगियों पर कराए गए एक अध्ययन के अनुसर, एंजियोप्लास्टी कराए डाइबिटीज रोगियों में से लगभग 35 प्रतिशत मरीजों की मृत्यु इसके पांच साल के भीतर ही हो जाती है, जबकि इसी दौरान बाइपास सर्जरी कराए गए मरीजों के लिए यह दर 19 प्रतिशत से भी कम है।

डॉ. पवन कुमार के अनुसार, 'मेरी राय में बाइपास सर्जरी ही ज्यादा सुरक्षित है। हमारे देश में बाइपास के लिए आने वाले कुल मरीजों में से लगभग 80 प्रतिशत डाइबिटीज के रोगी होते हैं। इन मरीजों में ब्लॉकेजेज की संख्या अधिक तो होती है, वे आकार में बड़े और लंबे होते हैं। ऐसे मरीजों की अगर एंजियोप्लास्टी की जाए, तो रिस्टेनोसिस यानी आर्टरीज के दुबारा ब्लॉक होने का खतरा अत्यधिक रहता है। ब्लॉकेज अधिक होने पर एंजियोप्लाटी के दौरान ज्यादा स्टेंट डालने पड़ सकते हैं। हर स्टेंट में दुबारा सालाना लगभग 5 से 15 प्रतिशत की दर से ब्लॉकेज होते रहते हैं। रक्त में शक्कर की मात्रा अधिक हो, तो दुबारा ब्लॉकेज की यह दर और भी अधिक होती है। नतीजतन कुछ समय बाद फिर सर्जरी जरूरी हो जाती है।

आर्टेरियल टाइप ऑफ बाइपास सर्जरी

कुछ साल पहले तक बाइपास के लिए पैर में पाई जानेवाली सेफनॅस वेन नामक रक्तवाहिका को प्रयोग में लाया जाता था। ग्राफ्ट की गई इन वाहिकाओं के दुबारा ब्लॉक होने का खतरा काफी अधिक था। इन दिनों छाती के भीतर स्थित इंटरनल मेमरी आर्टरी नामक रक्तवाहिका का प्रयोग बाइपास के लिए किया जा रहा है। इसी वजह से इसे आर्टेरियल टाइप ऑफ बाइपास सर्जरी कहा जाता है। अधिक जानकारी के लिए निशुल्क कार्डियक हेल्पलाइन 09820182000 पर संपर्क कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, बाइपास सर्जरी की यह तकनीक दीर्घावधि परिणामों के हिसाब से बेहतरीन है। क्योंकि ग्राफ्ट की गई आर्टरी के अवरूद्ध होने का खतरा न सिर्फ काफी कम है, बल्कि हृदय के लिए खतरनाक माने जानेवाले फैक्टर्स [कारकों] मसलन डाइबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल वगैरह के दुष्प्रभावों को नाकाम करने में भी सक्षम है।

हेल्थ प्लस

आसान उपाय एक बार आजमाएँ

- यदि बहुत ज्यादा हिचकी आ रही हो तो गरम पानी के साथ दो लौंग खाने से हिचकी बंद हो जाती है।
- सर्दियों में त्वचा रूखी होने की वजह से पैरों में बिवाइयाँ पड़ जाती हैं, इनसे बचने के लिए सरसों के गरम तेल से सिकाई करना चाहिए।
- दिल के मरीजों को भोजन में सोयाबीन का तेल प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल से मुक्त होता है।
- कब्ज दूर करने के लिए सब्जियों में लहसुन डलाकर पकाएँ, हर रोज लहसुन का प्रयोग करने से कब्ज नहीं रहता।
- पूरे शरीर में दर्द होने पर सोडाबाईकार्बोनेट व कच्ची फिटकरी दोनों को समान मात्रा में 1-1 ग्राम पीसकर इसे गरम पानी के साथ लेने से काफी आराम होता है।
- गैस होने पर पिसी सौंठ में स्वाद के अनुसार नमक मिलाकर गर्म पानी से यह सौंठ लेने से फायदा होता है।

स्वस्थ रहना है तो हँसते रहें

शरीर में पेट और छाती के बीच में एक डायफ्राम होता है, जो हँसते समय धुकधुकी का कार्य करता है। फलस्वरूप पेट, फेफड़े और यकृत की मालिश हो जाती है। हँसने से ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है व दूषित वायु बाहर निकलती है। नियमित रूप से खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है व शरीर में रक्त संचार की गति बढ़ जाती है तथा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है।

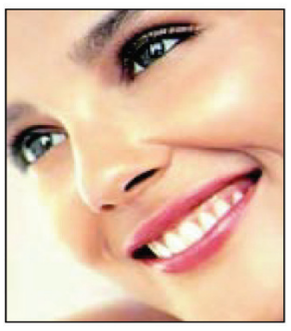

हँसी जीवन का प्रभात है, यह शीतकाल की मधुर धूप है तो ग्रीष्म की तपती दुपहरी में सघन छाया। हँसने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दुःखों के लिए रामबाण औषधि है।

लखनऊ के रेलवे स्टेशन से आदमी बाहर निकलता है तो बड़े अक्षरों में लिखे बोर्ड पर नजर टिकती है- 'मुस्कुराइए कि आप लखनऊ में हैं'। यह वाक्य पढ़ते ही यात्रियों के चेहरे पर मुस्कुराहट फैल जाती है। इस एक वाक्य में लखनऊ की जिंदादिली व खुशमिजाजी के दर्शन होते हैं। हँसना एक मानवीय लक्षण है, सृष्टि का कोई भी जीवधारी नहीं हँसता लेकिन एक हम मनुष्य ही हँसने वाले प्राणी हैं, जीवन में निरोगी रहने के लिए हमेशा मुस्कुराते रहना चाहिए। खाना खाते समय मुस्कुराइए, आपको महसूस होगा कि खाना अब अधिक स्वादिष्ट लग रहा है।

थैकर एवं शेक्सपियर जैसे विचारकों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि प्रसन्नचित व्यक्ति अधिक जीता है। मनुष्य की आत्मा की संतुष्टि, शारीरिक स्वस्थता व बुद्धि की स्थिरता को नापने का एक पैमाना है और वह है चेहरे पर खिली प्रसन्नता।

हँसने के लाभ

शरीर में पेट और छाती के बीच में एक डायफ्राम होता है, जो हँसते समय धुकधुकी का कार्य करता है। फलस्वरूप पेट, फेफड़े और यकृत की मालिश हो जाती है। हँसने से ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है व दूषित वायु बाहर निकलती है। नियमित रूप से खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है व शरीर में रक्त संचार की गति बढ़ जाती है तथा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। जोर से कहकहे लगाने से पूरे शरीर में प्रत्येक अंग को गति मिलती है, फलस्वरूप शरीर में मौजूद एंडोफ्राइन ग्रंथि (हारमोन दाता प्रणाली) सुचारु रूप से चलने लगती है, जो कि कई रोगों से छुटकारा दिलाने में सहायक है।

मनोवैज्ञानिक प्रयोगों से यह स्पष्ट हुआ है कि अधिक हँसने वाले बच्चे अधिक बुद्धिमान होते हैं। हँसना सभी के शारीरिक व मानसिक विकास में अत्यंत सहायक है। जापान के लोग अपने बच्चों को प्रारंभ से ही हँसते रहने की शिक्षा देते हैं।

दुनिया में सुख एवं दुःख दोनों ही धूप-छाँव की भाँति आते-जाते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है व वह चिंता से बचा रह सकता है। आज के इस तनावपूर्ण वातावरण में व्यक्ति अपनी मुस्कुराहट व हँसी को भूलता जा रहा है,फलस्वरूप तनावजन्य बीमारियाँ जैसे- उच्च रक्तचाप, शुगर, माइग्रेन, हिस्टीरिया, पागलपन, डिप्रेशन आदि बहुत-सी बीमारियों को निमंत्रण दे रहा है।

व्यायाम से रहें स्वस्थ

व्यायाम का अर्थ है संपूर्ण शरीर या शरीर के किसी अंग विशेष को एक समान लय में कुछ निश्चित समय एवं निश्चित अनुपात में गति देना, माँसपेशियों, हड्डियों एवं रक्त परिवहन को सुषुप्तावस्था से जाग्रत करना, उत्तेजित करना, उनकी कार्यप्रणाली में गति प्रदान करना, परंतु देखने में यह आता है कि किसी बीमारी के होने पर जब तक किसी डॉक्टर द्वारा विशिष्ट व्यायाम या सुबह तेज गति से पैदल घूमने जाने की हिदायत न दी जाए तब तक लोग इसे समय की बरबादी ही मानते हैं। व्यायाम का महत्व दो-चार प्रतिशत व्यक्ति ही समझते हैं, परंतु वे भी नियमित नहीं कर पाते। सिर्फ एक प्रतिशत ही होंगे जो व्यायाम के प्रति नियमित हों।

अधिकांशतः मन में प्रश्न यह उठता है कि मजदूर गरीब व्यक्ति पैदल या साइकिल से चलते हैं। इतना पसीना बहाते हैं फिर भी बीमार रहते हैं तो व्यायाम कैसे फायदेमंद है! रोमसिन के शब्दों में स्वच्छता और श्रम मनुष्य के सर्वोत्तम वैद्य हैं। अज्ञानता, समयाभाव, स्वच्छता के प्रति जागृति की कमी, कुपोषण या अल्प पोषण के कारण ये बीमार होते हैं। शरीर एवं मांसपेशियाँ तो इनकी गठी हुई होती हैं। ये किसी शहरी बाबू की तुलना में कई गुना अधिक श्रम करने की शक्ति रखते हैं।

महिलाएँ सोचती हैं कि घर के कामों में ही उनका इतना व्यायाम हो जाता है, वे थक जाती हैं, उन्हें अलग से व्यायाम करने की जरूरत नहीं है। पुरुष भी यह सोचते हैं कि उनको दफ्तर या दुकान में काम की भागदौड़ में इतनी मेहनत करनी पड़ती है कि व्यायाम की जरूरत ही नहीं है। दोनों ही धारणाएँ गलत हैं। एक जैसा कार्य करते-करते पूरे शरीर की मांसपेशियों का संचालन नहीं हो पाता, इसलिए उनकी मांसपेशियाँ गठी हुई नहीं होती और वे थक जाते हैं।

झाड़ू लगाना, पोंछा लगाना, कपड़े धोना भी अच्छे शारीरिक व्यायाम हैं। परंतु समस्त अंगों को सुडौल रखने के लिए तथा फेफड़ों में शुद्ध हवा के लिए अन्य व्यायाम भी आवश्यक हैं।

व्यायाम कब और कैसे

- हर उम्र के व्यक्ति के लिए नियमित हल्के-फुल्के व्यायाम उचित हैं। जोश व उतावली में अनियमित व ज्यादा व्यायाम न करें। वृद्ध व्यक्ति, गर्भवती महिलाएँ, हृदय रोगी भी डाक्टर की सलाह लेकर कुछ व्यायाम कर सकते हैं। व्यक्तिगत स्थिति, उम्र, शारीरिक स्वास्थ्य समय और पसंद के आधार पर व्यायाम का चयन करना उत्तम रहता है।
- प्रातःकाल पैदल घूमने जाना अच्छा व्यायाम है। परंतु कुछ तीव्र गति से चलें। नाक से साँस लें। मुँह बंद रखें। ऐसा नहीं कि दो-चार इष्ट मित्रों के साथ बातचीत करते हुए आराम से घूमें।
- यथासंभव शुद्ध और साफ हवादार जगह पर व्यायाम करें।
- प्रतिदिन निश्चित समय पर व्यायाम करें।
- प्रारंभ में थोड़ा व्यायाम करना चाहिए बाद में व्यायाम की मात्रा धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।
- किसी दिन कम और किसी दिन अधिक व्यायाम नहीं करना चाहिए। व्यायाम नियमित करना चाहिए।
- व्यायाम करने से शरीर में गर्मी पैदा हो जाती है। अतः व्यायाम करने के तुरंत बाद नहाना या कुछ खाना-पीना नहीं करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु ये यो मा मी मू

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3888

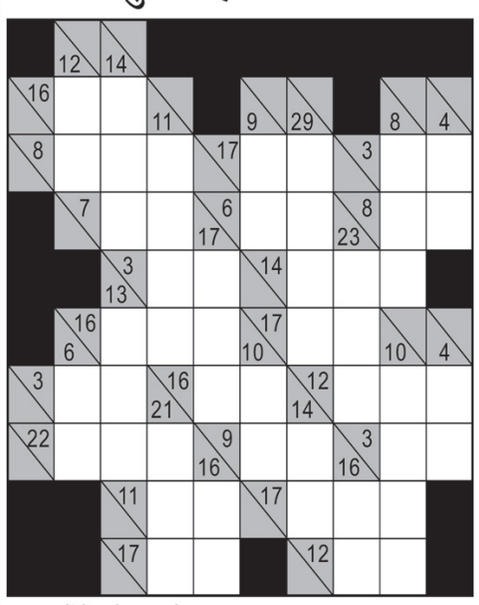

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

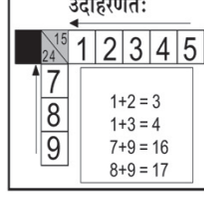

काकुरो - 3887 का हल

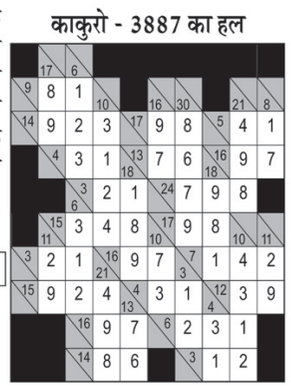

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली-3888

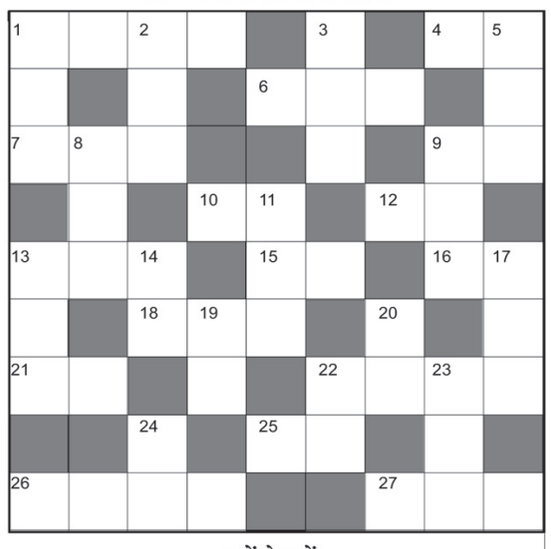

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3887

ऐ	त	बा	र		जु	र्म		जी	
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	ह	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			ह्म	सि	ल
म	ह्म	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्टे
सं	सा	र		ल	की			नू	री

सूडोकु -3888

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3887 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 3888

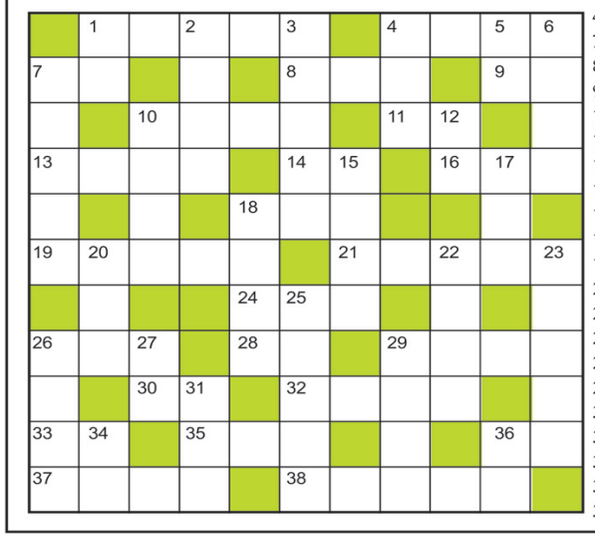

बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -3887 का हल

स	द	च	रि	त्र			ब	ह	रा	
मा	मा		या		अ	द	द		ह	क
ज			स	ज	दा		न			हा
वा	र	दा	त			श		प	नी	र
दी		मि		ह	म	रा	ज		र	
	रा	नी		रा		फ		बी	ज	
	ह		श	र	ब	त		ह		म
क	त	रा		त			अ	इ	च	न
हा			चिं		म	लि	न			भा
नी	र		त	न	य		ब		श	व
	ध	का	न			म	न	मो	ह	न

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी